सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

गिल टी20आई सीरीज से हो सकते हैं बाहर, वनडे में इस खिलाड़ी -पेज: 7

आगामी शो 'मिसेज देशपांडे में दिलचस्प किरदार में नजर आएंगी -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 225 | सोमवार 24 नवम्बर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

सीएम स्टालिन कल कोयम्बटूर में सम्मोझी पूंगा पार्क का करेंगे उद्घाटन

कोयम्बटूर (एजेंसी)। साल 2010 में विश्व शास्त्रीय तमिल सम्मेलन के दौरान दिवंगत द्रमुक नेता और पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि ने इस पार्क के स्थापना की घोषणा की थी। इसके बाद दिसंबर 2023 में मुख्यमंत्री स्टालिन ने इस पार्क के शिलान्यास समारोह में भाग लिया था। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में रविवार को कहा गया कि मुख्यमंत्री स्टालिन अब 25 नवंबर को पार्क का उद्घाटन करेंगे। इसी दिन से पार्क को आम जनता के लिए भी खोल दिया जाएगा। इसके बाद सीएम स्टालिन कोयंबटूर में आयोजित टीएन राइजिंग कॉन्क्लेव में भी हिस्सा लेंगे। इसमें विभिन्न कंपनियों के साथ कई समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जाने की उम्मीद जताई गई है। इसी के साथ ही जारी विज्ञप्ति में बताया गया है, कि मुख्यमंत्री स्टालिन 26 नवंबर को इरोड में एक सरकारी समारोह में भाग लेंगे। इस दौरान सीएम स्टालिन पूरी हो चुकी अनेक परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे और नई परियोजनाओं की आधारशिला भी रखेंगे।

आरजीआई एयपोर्ट पर बम की धमकी निकली अफवाह

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बम रखे होने धमकी जांच के बाद अफवाह निकली। दरअसल एयरपोर्ट पर बम रखे होने संबंधी एक ईमेल मिला था, जिसके बाद जांच की गई। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि हवाई अड्डे के ग्राहक सेवा विभाग को शुक्रवार को एक बम वाला ईमेल मिला था। इस ईमेल में कहा गया था, कि हवाई अड्डे के आगमन इलाके में बम फटेगा। इस ईमेल के माध्यम से संबंधित जगह की जांच करने और यात्रियों को हवाई अड्डा खाली करने का सुझाव देने को भी कहा गया था। पुलिस के अनुसार जांच करने के बाद बम की धमकी अफवाह साबित हुई।

एयरपोर्ट परिसर में दो बार लेपर्ड देखा गया, निगरानी बढ़ाई

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे हवाई अड्डा परिसर में एक ही दिन में दो बार तेंदुआ देखे जाने की बात सामने आई है, जिसके बाद अधिकारियों ने परिसर इलाके की निगरानी बढ़ा दी है। एयरपोर्ट अधिकारियों ने उक्त जानकारी शनिवार को देते हुए बताया कि सप्ताह के प्रारंभ में एक ही दिन में दो बार लेपर्ड देखे जाने की सूचना मिली थी। इसी के साथ ही आधिकारिक बयान में बताया गया, कि हवाई अड्डा के अधिकारियों ने वन विभाग को इसकी जानकारी दी, कि जानवर को सबसे पहले 19 नवंबर को सुबह करीब 5.30 बजे और बाद में शाम करीब 7.40 बजे देखा गया था। इस पर वन विभाग के अधिकारियों ने जानकारी दी कि तेंदुआ पकड़ने के लिए संबंधित जगह पर एक पिंजरा लगाया गया है। इसके साथ ही जंगली जानवर की गतिविधि पर नजर रखने के लिए कैमरे भी लगाए गए हैं। फिलहाल इससे ज्यादा कोई जानकारी उपलब्ध नहीं हो सकी है, देखे जाने या पकड़े जाने के बाद ही अन्य जानकारी दी जा सकेगी।

सुरक्षा बलों ने अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को पकड़ा

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने अलग-अलग प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े चार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिबंधित पीपल्स लिबरेशन आर्मी के एक सक्रिय सदस्य को शनिवार को काकचिंग जिले में एक जांच चौकी पर पकड़ा, जबकि उसी दिन बिष्णुपुर जिले के मोइरंग कोंजेंगबाम से संगठन के एक और सदस्य को गिरफ्तार किया गया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बलों ने शुक्रवार को टेंग्नौपाल जिले के मोरेह गेट से प्रतिबंधित पीआरईपीएके के एक सक्रिय सदस्य को भी गिरफ्तार किया था। केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के एक और सदस्य को इंफाल पश्चिम जिले के युमनाम हुइड्रोम में उसके घर से पकड़ा था। उन्होंने कहा कि इन उग्रवादियों के पास से राइफल और पिस्तौल समेत हथियार और गोला-बारूद बरामद हुआ है। पुलिस अधिकारी ने कहा कि ये गिरफ्तारियां राज्य में जबरन वसूली और आपराधिक गतिविधियों में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए बड़े पैमाने पर संचालित खुफिया जानकारी पर आधारित छानबीन, घेराबंदी और तलाशी अभियान के तहत की गई।

मेट्रो स्टेशन के पास लगी आग से मचा हड़कंप, जाम लगने से लोगों को हुई भारी परेशानी

नोएडा (एजेंसी)। शहर के सबसे व्यस्त इलाकों में से एक सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन के पास शनिवार शाम अचानक आग लगने की घटना से हड़कंप मच गया। आग लगने के कारण सड़क पर अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते कुछ ही मिनटों में भीषण ट्रैफिक जाम लग गया। सूत्रों से प्राप्त जानकारी अनुसार शनिवार शाम लगभग 7 बजे सेक्टर-18 मेट्रो स्टेशन के पास से गुजर रही एक स्कॉर्पियो कार के बोनट से अचानक धुआं निकलने लगा और देखते ही देखते आग भड़क गई। सड़क पर चल रहे वाहन पर अचानक लगी आग को देखकर आसपास मौजूद लोग घबरा गए और वाहन चालकों ने अपनी गाड़ियां बीच सड़क पर ही रोक दीं, जिससे ट्रैफिक रुक गया और लंबा जाम लग गया।

अग्निशमन विभाग ने मौके पर पहुंचकर बुझाई आग

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। सीएफओ प्रदीप कुमार चौबे ने बताया कि टीम ने एक फायर टेंडर की मदद से आग पर तुरंत काबू पा लिया। उन्होंने कहा, कार के बोनट में आग लगी थी। हमारी टीम मौके पर पहुंची और तुरंत उसे बुझा दिया। सौभाग्य से कोई जनहानि नहीं हुई। आग बुझाने के बाद सड़क से कार हटाई गई और यातायात फिर से सामान्य किया गया। लगभग आधे घंटे तक जाम से जूझने के बाद राहगीरों ने राहत महसूस की।

महाराष्ट्र में लूट करने वाले तीन आरोपी कर्नाटक से गिरफ्तार, लाखों का माल बरामद

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक मकान में घुसकर लूटपाट करने के आरोप में पुलिस ने कर्नाटक से तीन व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 10 लाख रुपए मूल्य के आभूषण और अन्य सामान बरामद किए हैं। अधिकारियों ने रविवार को जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना 18 नवंबर को वसई इलाके के सातीवली स्थित एक मकान में घटी थी।

दुनिया को पीएम मोदी का सख्त संदेश: आतंकवाद पर दोहरे मापदंड नहीं चलेंगे, यूएनएससी सुधारों को भी बताया जरूरी

जोहानिसबर्ग में आईबीएसए बैठक के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ बिना किसी दोहरे मापदंड के सामूहिक कार्रवाई की मांग की। उन्होंने यूएनएससी सुधारों को अनिवार्य बताया और भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका के बीच सुरक्षा एवं डिजिटल सहयोग मजबूत करने...

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को आईबीएसए (भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका) नेताओं की बैठक में एक जोरदार वैश्विक संदेश दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आतंकवाद जैसे गंभीर मुद्दे पर दुनिया ह्यदोहरे मापदंडह्न नहीं अपना सकती और इस लड़ाई में तीनों देशों को मिलकर काम करना होगा। मोदी ने कहा कि आज की दुनिया 21वीं सदी की वास्तविकताओं से दूर वैश्विक संस्थाओं के बीच फंसी हुई है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में तत्काल और अनिवार्य सुधार की जरूरत पर जोर देते हुए कहा-ह्लआईबीएसए को एक स्वर में दुनिया को संदेश देना चाहिए कि यूएनएससी में बदलाव अब विकल्प नहीं, बल्कि अनिवार्यता है। तीनों में से कोई देश स्थायी सदस्य नहीं है यह बताता है कि वैश्विक संस्थाएँ आज की दुनिया को प्रतिनिधित्व नहीं करतीं। सुरक्षा में बड़ा प्रस्तावः एनएसए-स्तरीय आईबीएसए बैठक प्रधानमंत्री मोदी ने तीनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग को मजबूत करने के लिए आईबीएसए राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) मीटिंग को औपचारिक और नियमित करने का प्रस्ताव रखा। भारत की अध्यक्षता में 2021 में ऐसी पहली बैठक हुई थी।प्रधानमंत्री ने कहा कि तकनीक, विशेषकर डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर, मानव-केंद्रित विकास का आधार है। इसलिए उन्होंने आईबीएसए डिजिटल इनोवेशन एलायंस बनाने का सुझाव दिया, जिसके तहत- यूपीआई जैसे भुगतान प्लेटफॉर्म कोविन जैसे स्वास्थ्य ढाँचे साइबर सुरक्षा मॉडल महिलाओं के नेतृत्व वाली टेक पहलों को तीनों देशों में साझा किया जा सकेगा। उनका कहना था कि यह कदम न केवल तीनों देशों की डिजिटल अर्थव्यवस्था को गति देगा, बल्कि ग्लोबल साउथ के लिए सुरक्षित और विश्वसनीय ऐ मानकों को भी विकसित करेगा। आईबीएसए तीन महाद्वीपों को जोड़ने वाला अनोखा मंच मोदी ने आईबीएसए को तीन प्रमुख लोकतांत्रिक, बहुसांस्कृतिक और उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच गहरी और मानवीय साझेदारी बताया। उन्होंने कहा कि पिछले तीन सालों में तीनों देशों ने क्रमशः जी -20 की अध्यक्षता निभाकर ग्लोबल साउथ के मुद्दों को नई दिशा दी है।अब आवश्यकता है कि इन पहलों को आगे बढ़ाया जाए और संयुक्त प्रयासों को मजबूत किया जाए। दक्षिण अफ्रीका इस समय आईबीएसए का चेयर है। यह समूह दक्षिण-दक्षिण सहयोग और वैश्विक शासन सुधारों को आगे बढ़ाने का महत्वपूर्ण मंच माना जाता है।

क्या जानलेवा बन रहा एसआईआर? अब तक कई राज्यों के करीब 15 बीएलओ की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविजन (एसआईआर) अभियान के बीच बूथ लेवल अफसरों (बीएलओ) की मौतें चिंता का कारण बन रहीं हैं। सवाल ये है कि अब 6 राज्यों में 15 बीएलओ की मौत हो गई है। कारण जो भी रहे हों लेकिन मौत तो हुई है। इन काम का दबाव और कर्मचारियों का टोटा जैसे दिक्कतों से इनकार नहीं किया जा सकता है। बता दें कि निर्वाचन आयोग की शनिवार की रिपोर्ट के अनुसार बड़े राज्यों में राजस्थान में सर्वाधिक 60.54 प्रतिशत फॉर्म डिजिटलाइज हुए हैं। वहीं, केरल में सबसे कम 10.58 प्रतिशत फॉर्म डिजिटल हो पाए हैं। कुल 98.98 प्रतिशत फॉर्म बंट चुके हैं।

विभिन्न मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पश्चिम बंगाल के नदिया में बीएलओ रिंकू का शव घर की छत से लटका मिला। सुसाइड नोट भी मिला। राज्य में एसआईआर से जुड़ा दूसरा सुसाइड, तीसरी मौत है। राजस्थान के जयपुर में रविवार को बीएलओ मुकेश जांगिड़ (48) ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दी। करौली में बीएलओ की मौत। सवाई माधोपुर में एक बीएलओ को हार्ट अटैक। गुजरात में 4 दिन 4 बीएलओ की मौत अहमदाबाद में फारूक और दाहोद में बचूभाई बीमार, भर्ती होकर उपचार करा रहे हैं। भोपाल में दो बीएलओ को हार्ट अटैक के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। पश्चिम बंगाल में एक महिला बीएलओ ने भी आत्महत्या कर ली। मृतकों के परिजनों ने ज्यादा काम और लक्ष्य पूरा करने के दबाव को मौत का कारण बताया है।मप्र के रायसेन में शनिवार को बीएलओ रमाकांत पांडे की मौत हुई। परिजनों ने बताया कि योगेश चार रातों से नहीं सोया था। ऑनलाइन मीटिंग के बाद बेहोश होकर गिरा था। फिर बचाया नहीं जा सका। दमोह के सीताराम गोंड (50) भी फॉर्म भरते समय बीमार। इलाज के दौरान मौत। रायसेन के बीएलओ नारायण सोनी छह दिन से लापता हैं। परिजनों ने कहा, टारगेट, देर रात मीटिंग और निलंबन की चेतावनी से परेशान थे। भोपाल में शनिवार को काम कर रहीं बीएलओ कीर्ति कौशल और मोहम्मद लईक को ड्यूटी के दौरान हार्ट अटैक आया। दोनों भर्ती हैं। 6 नवंबर को दमोह में सड़क हादसे में श्याम शर्मा (45) की मौत। दतिया के उदयभान सिहारे (50) ने 11 नवंबर को खुदकुशी की।

बिहार हार को लेकर पीके बोले- ईवीएम हेरफेर के प्रमाण नहीं पर कुछ तो गड़बड़ हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद जन सुराज के संस्थापक और चर्चित चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर (पीके) ने पहली बार खुलकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि जनता में जंगल राज की वापसी को लेकर फैली आशंका और कुछ छिपे हुए कारक उनकी पार्टी की हार की बड़ी वजह बने। हालांकि उन्होंने यह भी माना कि उनके आरोपों के समर्थन में ठोस सबूत नहीं हैं।

एक इंटरव्यू के दौरान पीके ने कहा, कि चुनाव के अंतिम चरण में बड़ी संख्या में मतदाताओं ने मान लिया कि जन सुराज जीतने की स्थिति में नहीं है, और उन्हें डर था कि वोट बंटने से लालू यादव के पुराने जंगल राज की वापसी हो सकती है। पीके ने कहा, अगर लोग सोचते हैं कि हमारा वोट किसी तरह आरजेडी की वापसी का मार्ग खोल देगा, तो वे जोखिम नहीं लेना चाहते। यह डर हमारे खिलाफ गया।

238 सीटों पर उतारे थे प्रत्याशी, जीता एक भी नहीं

बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से 238 पर उम्मीदवार उतारने के बावजूद जन सुराज एक भी सीट नहीं जीत सकी। अनुमानित वोट शेयर 2-3 प्रतिशत के बीच रहा और अधिकांश उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई। ऐसे में पीके ने कहा, उनकी 18 महीने लंबी 'जन सुराज यात्रा' के दौरान मिला जनमत परिणामों से बिल्कुल मेल नहीं खाता।

उन्होंने कहा, कुछ ऐसा हुआ है जो समझ से परे है। जिन पार्टियों को लोग मुश्किल से जानते थे, उन्हें भी लाखों वोट मिले। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि यह संदेह मात्र है, सबूत नहीं।

कुछ तो गलत हुआ

प्रशांत किशोर ने कहा, कि कुछ लोग उन्हें ईवीएम में हेरफेर का आरोप लगाने को कह रहे, लेकिन वे ऐसा दावा बिना सबूत के तो नहीं कर सकते हैं। इसके मेरे पास कोई प्रमाण नहीं है। लेकिन प्रथम दृष्ट्या कुछ तो गड़बड़ लगता है, पर क्या– यह नहीं पता।

दिल्ली बम विस्फोट: जैश मॉड्यूल में गहरे वैचारिक और वित्तीय मतभेद हुए उजागर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के लाल किला के पास 10 नवंबर 2025 को हुए कार बम विस्फोट की जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि जैश-ए-मोहम्मद के इस आतंकी मॉड्यूल के भीतर विचारधारा, हमले की रणनीति और धन के उपयोग को लेकर गहरी फूट थी। आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर उन नबी और बाकी सदस्यों के बीच मतभेद इतने गहरे थे कि उमर ने अक्टूबर में अपने साथी अदील राथर की शादी में भी शामिल होने से इनकार कर दिया था।जांच एजेंसियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी मुजम्मिल गनई, अदील राथर और मुफ्ती इरफान वागे अल-कायदा की विचारधारा से प्रभावित थे, जो पश्चिमी देशों और दूर के दुश्मनों पर हमले को प्राथमिकता देती है। वहीं डॉ. उमर उन नबी आईएसआईएस की कट्टर विचारधारा की ओर झुके हुए थे। उनका मानना था कि पहले करीबी दुश्मन (भारत) को निशाना बनाना चाहिए और खिलाफत स्थापित करना ही सर्वोच्च लक्ष्य है।

उमर खुद को कश्मीर के कुख्यात आतंकियों बुरहान वानी और जाकिर मूसा की विरासत का उत्तराधिकारी मानता था। यही वैचारिक टकराव मॉड्यूल की एकता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन गया था। समूह के अधिकांश सदस्य (वागे को छोड़कर) पहले अफगानिस्तान जाकर प्रशिक्षण लेना चाहते थे, लेकिन असफल रहे। इसके बाद उन्होंने भारत में ही बड़ा हमला करने का फैसला किया। डॉ. उमर 2023 से ही इंटरनेट पर आईईडी बनाने की तकनीक पर गहन रिसर्च कर रहा था और फरीदाबाद में किराए के मकान में रसायनों के साथ प्रयोग करता था। मॉड्यूल को मिले फंड को लेकर भी तीखी नोंक-झोंक थी। उमर पर धन के दुरुपयोग का आरोप था। जांच में पता चला है कि मुख्य वित्तीय सहायता अल फलाह विश्वविद्यालय की छात्रा शाहीन शाहिद अंसारी ने की थी, जो मुजम्मिल गनई की सहपाठी थी। शाहीन ने कथित तौर पर संगठित क्राउडफंडिंग से करीब 20 लाख रुपये जुटाए थे। वह जैश की महिला भर्ती शाखा 'जमात-उल-मोमिनात'से जुड़ी थी और फरीदाबाद ऑपरेशन के लिए धन व संसाधन जुटाने में अहम भूमिका निभा रही थी।

अक्टूबर में मुफ्ती इरफान वागे की गिरफ्तारी के बाद उमर ने 18 अक्टूबर को कश्मीर के काजीगुंड में बाकी सदस्यों से मुलाकात की। इस बैठक में उसने अपने साथियों को अपनी आईएसआईएस-प्रेरित रणनीति पर सहमत करने की कोशिश की और कथित तौर पर सफल भी रहा। ठीक तीन सप्ताह बाद दिल्ली में विस्फोट हो गया।वागे की गिरफ्तारी से पुलिस को पूरे मॉड्यूल तक पहुंच मिली। फरीदाबाद से 2900 किलोग्राम विस्फोटक सामग्री बरामद हुई, जिसमें उच्च क्षमता वाले विस्फोटक, रसायन, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट, रिमोट कंट्रोल और प्रज्वलन उपकरण शामिल थे। उमर और गनई दोनों के पास उस कमरे की चाबियां थीं जहां यह सामग्री छिपाई गई थी। यह मामला दर्शाता है कि आतंकी संगठन कितने भी संगठित दिखें, उनके अंदर वैचारिक और व्यक्तिगत मतभेद उन्हें कमजोर करते हैं। फिर भी, ये मतभेद आम नागरिकों की जान लेने से उन्हें नहीं रोक पाते।

मौर्य बोले- अगला नंबर पश्चिम बंगाल में ममता दीदी और फिर यूपी में अखिलेश का

लखनऊ (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित जीत से खासे खुश उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने ऐसा कुछ कह दिया है, जिसकी चर्चा चारों ओर हो रही है। दरअसल मौर्य का कहना है, कि बिहार के बाद अब अगला नंबर ममता दीदी जी और फिर सपा बहादुर अखिलेश यादव का है।

दरअसल समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने एक दिन पहले ही भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग पर साजिश रचने का आरोप लगाया था, जिसके बाद रविवार को डिप्टी सीएम मौर्य ने संकेत दिया, कि अगले चुनावों में पश्चिम बंगाल और फिर उत्तर प्रदेश में महागठबंधन को पराजय का सामना करना पड़ेगा। मौर्य ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' में एक पोस्ट करते हुए कहा, कि बिहार चुनाव के दरम्यान खुद गोता लगाने के साथ राहुल गांधी ने तेजस्वी यादव को लपेटे में लेकर महागठबंधन का भविष्य भी लिख दिया। अब अगला नंबर ममता दीदी जी (पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी) और फिर सपा बहादुर अखिलेश यादव का है।

बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा के सह प्रभारी रहे डिप्टी सीएम मौर्य की इस पोस्ट को लेकर अब राजनीतिक गलियारे में जोर-शोर से चर्चा शुरु हो गई है। इसके बहाने एक बार फिर केंद्र और चुनाव आयोग निशाने पर आ गए हैं। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने दो तिहाई बहुमत से जीत हासिल कर सभी को चौंका दिया। ऐसे में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा, कि भाजपा सरकार और निर्वाचन आयोग मिलकर साजिश के तहत उन विधानसभा क्षेत्रों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के बहाने 50 हजार से अधिक वोट काटने की तैयारी कर रहे हैं, जहां 2024 में लोकसभा चुनाव में सपा और इंडिया गठबंधन ने जीत हासिल की थी। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने दावा किया कि उन्हें जानकारी हासिल हुई है कि उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में जीत पक्की करने भाजपा ने निर्वाचन आयोग के साथ मिलकर बड़ी तैयारी की हुई है।

जबलपुर में छात्र के जय श्रीराम बोलने पर पिटाई, हिंदू संगठनों ने किया हंगामा

-स्कूल पर मिशनरी संस्कृति को बढ़ावा देने के आरोप

जबलपुर (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में एक छात्र के जय श्रीराम बोलने पर छात्र को पीटने के आरोप स्कूल पर लगे हैं। घटना को लेकर हिंदू संगठन और परिजनों ने स्कूल पहुंचकर हंगामा किया और नारेबाजी की। छात्र का आरोप है कि पहले भी उसको कलावा पहनने पर टीचर ने पीटा था। पुलिस ने जांच कर उचित कार्यवाही की बात कही है। वहीं हिंदू संगठनों ने स्कूल पर मिशनरी संस्कृति को बढ़ावा देने के आरोप लगाया है।

घटना जबलपुर जिले के पाटन तहसील के एक मिशन स्कूल की बताई जा रही है। छात्र प्रबल सिंह राठौर का आरोप है कि उसने स्कूल के गार्ड को जय श्रीराम बोलते हुए गेट के अंदर जैसे ही कदम रखा एक शिक्षक ने उससे पूछा कि यह क्या तरीका है। इसके साथ ही टीचर ने छात्र की पिटाई कर दी और उसे आगे से गुड मॉर्निंग कहने को कहा। यह जानकारी लगते ही हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं के साथ बच्चे के परिजन ने स्कूल घेर लिया और स्कूल प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। करीब आधे घंटे तक थाने में हंगामा होता रहा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मामले को लेकर स्कूल के प्राचार्या का कहना है कि छात्र को समझाइश देने के रूप में पीटा गया है। इसका उद्देश्य गलत नहीं था। विवाद बढ़ता देख पुलिस भी मौके पर पहुंच गई और संचालक के खिलाफ शिकायत मिलने पर जांच की बात कही। इसके बाद हिंदू संगठन के कार्यकर्ता और बच्चे के परिजन पाटन थाने पहुंचे और संचालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। पाटन थाना प्रभारी ने कहा कि 8वीं कक्षा में पढ़ने वाले छात्र प्रबल सिंह के साथ हिंदू संगठन के कुछ कार्यकर्ता आए थे। पूछताछ में बच्चे ने बताया कि स्कूल संचालक ने जय श्रीराम कहने पर उसकी पिटाई कर दी। मिली शिकायत पर जांच शुरू कर दी गई है। मामले में स्कूल के प्राचार्य ने कहा कि छात्र को मारने का उद्देश्य नहीं था। प्रबल का बोलने का तरीका ठीक नहीं था। इस वजह से स्कूल संचालक ने उसे डांटा जिस तरह से जय श्रीराम नाम को लेकर मुद्दा बनाया जा रहा है यह ठीक नहीं है।

उत्तराखंड-हिमाचल में नवंबर की पहली बर्फबारी: बर्फ से ढका बद्रीनाथ धाम, जमी झील

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के पर्वतीय क्षेत्रों में मौसम ने करवट ली है। उत्तराखंड के चमोली जिले में स्थित विश्व प्रसिद्ध बद्रीनाथ धाम में इस सीजन की पहली बर्फबारी हुई। पूरी ऊंचाई वाला मंदिर परिसर बर्फ की मोटी सफेद चादर से ढक गया। तापमान माइनस 6 डिग्री सेल्सियस तक लुढ़क गया। चमोली की ही ऊंचाई वाली शेषनेत्र झील पूरी तरह जम गई है। वहीं पिथौरागढ़ जिले के 14,500 फीट पर स्थित आदि कैलाश क्षेत्र में भी भारी बर्फबारी दर्ज की गई, जिससे ओम पर्वत सहित सभी पवित्र झीलें जम गईं। बर्फ से ढके मनोरम दृश्य देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक पहुंच रहे हैं।

इधर, राजस्थान में लगातार सता रही कड़ाके की ठंड को एक सप्ताह बाद ब्रेक लगा है। शुक्रवार को अधिकांश शहरों में न्यूनतम तापमान 1 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया, जिससे कई जगहों पर पारा सिंगल डिजिट से डबल डिजिट में पहुंच गया। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो सप्ताह तक तापमान में कोई बड़ी गिरावट की संभावना नहीं है। हालांकि उत्तर-पश्चिमी हवाओं के कारण सुबह-शाम घना स्मॉग छा रहा है, जिससे दिन की धूप कमजोर पड़ गई है। वहीं मध्य प्रदेश में ठंड ने कहर बरपाना शुरू कर दिया है। पिछले दो दिनों में कड़ाके की सर्दी से दो लोगों की मौत हो चुकी है। शुक्रवार को भोपाल, इंदौर सहित सात जिलों में शीतलहर चल रही है। पचमढ़ी में इस सीजन का सबसे कम तापमान 5.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। नर्मदापुरम में विजिबिलिटी मात्र 500 मीटर रह गई।

एक नई अंतरराष्ट्रीय स्टडी में खुलासा हुआ है कि पिछले दशक (2015-2024) में भारत का औसत तापमान लगभग 0.9 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है। इसके कारण हीट वेव की घटनाएं बढ़ी हैं और हर दशक में गर्म दिनों की संख्या में 5 से 10 दिन का इजाफा हो रहा है। 1950 के बाद से सबसे गर्म दिन का तापमान पश्चिमी और उत्तर-पूर्वी भारत में 1.5 से 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ गया है। यह रिपोर्ट भारत, नॉर्वे और नेपाल के जलवायु विशेषज्ञों की संयुक्त टीम ने तैयार की है।

संपादकीय

त्रासदी की जवाबदेही

यह खबर विचलित करने वाली है कि दिल्ली में एक सोलह वर्षीय छात्र और जयपुर में एक नौ साल की छात्रा ने स्कूल की असहज स्थितियों के चलते आत्महत्या कर ली है। निस्संदेह, ये आत्महत्या की घटनाएं एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर करती हैं। भारत के स्कूल, जिनका उद्देश्य बच्चों का पालन-पोषण और सुरक्षा करना है, तेजी से ऐसे स्थानों में बदल रहे हैं जहां क्रूरता, उपेक्षा और अनियंत्रित अधिकार बच्चों के जीवन को बर्बाद कर सकते हैं। ये त्रासदियां कोई असामान्य बात नहीं हैं; ये एक असफल व्यवस्था के लक्षण हैं। तीसरी भयावह घटना महाराष्ट्र के वसई की है जहां एक तेरह साल की छात्रा को किसी कारणवश स्कूल देर से पहुंचने पर शिक्षक ने अमानवीय सजा दी। छात्रा को स्कूल बैग के साथ सौ उठक-बैठक लगाने को बाध्य किया गया। यह तथ्य नजरअंदाज करते हुए कि वह एनीमिया से पीड़ित है। छात्रा कुछ देर के बाद बेहोश हो गई और कालांतर में उसकी मौत हो गई। निस्संदेह, एक छात्र व एक छात्रा की आत्महत्या और महाराष्ट्र के वसई में छात्रा की उठक-बैठक लगाने से हुई मौत एक परेशान करने वाली सच्चाई को उजागर करती है। स्कूल जिनका उद्देश्य छात्र-छात्राओं को पालन-पोषण और सुरक्षा करना था, वे बच्चों के जीवन पर संकट की वजह बन रहे हैं। वहां शिक्षकों की संवेदनहीनता, उपेक्षा और सख्त व्यवहार कई बच्चों का जीवन बर्बाद कर सकते हैं। ये त्रासदियां असामान्य बात नहीं, ये हमारी शिक्षा व्यवस्था की असफलता की कहानी कहती है। दिल्ली में, मेट्रो स्टेशन से छलांग लगाने वाले किशोर ने अपने शिक्षकों के हाथों अपमान का हृदय विदारक वर्णन करते हुए एक पत्र छोड़ा है। उसके माता-पिता ने छात्र के उत्पीड़न का आरोप शिक्षकों पर लगाया है। उनका आरोप है कि उसे छोटी-छोटी बात पर डांटा गया, निष्कासन की धमकी दी गई और सहपाठियों के सामने मजाक उड़ाया गया। आत्महत्या करने वाले छात्र के अभिभावकों द्वारा प्राथमिकी में बताया गया कि छात्र ने मन में आने वाले आत्महत्या के विचार से काउंसलर को अवगत कराया था। लेकिन शिक्षकों ने न तो माता-पिता को सूचित किया और न ही उसे इस दिशा में सोचने से रोकने के लिये कोई सलाह दी गई। निश्चित रूप से जब कोई छात्र अपनी किसी गंभीर समस्या का जिक्र करता है तो ऐसे में उदासीनता हिंसा का एक रूप ही कही जाएगी।

चिंतन-मनन

बद्धजीव का कर्मक्षेत्र

अर्जुन प्रकृति, पुरुष, क्षेत्र, क्षेत्रज्ञ, ज्ञान तथा ज्ञेय के विषय में जानने का इच्छुक था। जब उसने इनके विषय में पूछा तो कृष्ण ने कहा कि यह शरीर क्षेत्र कहलाता है और इस शरीर को जानने वाला क्षेत्रज्ञ है। यह शरीर बद्धजीव के लिए कर्म-क्षेत्र है। बद्धजीव इस संसार में बंधा हुआ है और वह भौतिक प्रकृति पर अपना प्रभुत्व प्राप्त करने का प्रयत्न करता है। इस प्रकार प्रकृति पर प्रभुत्व दिखाने की क्षमता के अनुसार उसे कर्म-क्षेत्र प्राप्त होता है। यह कर्म-क्षेत्र शरीर है। और यह शरीर क्या है? शरीर इन्द्रियों से बना हुआ है। बद्धजीव इन्द्रियतृप्ति चाहता है, और इन्द्रियतृप्ति को भोगने की क्षमता के अनुसार ही उसे शरीर या कर्म-क्षेत्र प्रदान किया जाता है। इसीलिए बद्धजीव के लिए शरीर क्षेत्र अथवा कर्मक्षेत्र कहलाता है। जो व्यक्ति अपने को शरीर मानता है, वह क्षेत्रज्ञ कहलाता है। क्षेत्र तथा क्षेत्रज्ञ अथवा शरीर और शरीर के ज्ञाता (देही) का अन्तर समझ पाना कठिन नहीं है। कोई भी व्यक्ति सोच सकता है कि बाल्यकाल से वृद्धावस्था तक उसमें अनेक परिवर्तन होते रहते हैं, फिर भी वह व्यक्ति वही रहता है। इस प्रकार कर्म-क्षेत्र के ज्ञाता तथा वास्तविक कर्म-क्षेत्र में अन्तर है। एक बद्धजीव जान सकता है कि वह अपने शरीर से भिन्न है। बताया गया है कि जीव शरीर के भीतर है और यह शरीर बालक से किशोर, किशोर से तरुण तथा तरुण से वृद्ध के रूप में बदलता जाता है और शरीरधारी जानता है कि शरीर परिवर्तित हो रहा है। स्वामी स्पष्टतः क्षेत्रज्ञ है।

कभी-कभी हम सोचते हैं। मैं सुखी हूं, मैं पुरुष हूं, मैं स्त्री हूं। यह ज्ञाता की शारीरिक उपाधियां हैं, लेकिन ज्ञाता शरीर से भिन्न होता है। भले ही हम तरह-तरह की वस्तुएं प्रयोग में लाएं- जैसे कपड़े इत्यादि, लेकिन हम जानते हैं कि हम इन वस्तुओं से भिन्न हैं। इसी प्रकार, थोड़ा विचार करने पर हम यह भी जानते हैं कि हम शरीर से भिन्न हैं। मैं, तुम या अन्य कोई जिसने शरीर धारण कर रखा है, क्षेत्रज्ञ कहलाता है- अर्थात वह कर्म-क्षेत्र का ज्ञाता है और यह शरीर क्षेत्र है- साक्षात कर्म-क्षेत्र है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

गुरु तेग बहादुरः शहादत की अनंत ज्योति, धर्म-रक्षा का अमर संदेश

दिलीप कुमार पाठक

गुरु तेग बहादुर सिंह सिक्खों के नौवें गुरु थे। विश्व इतिहास में धर्म एवं सिद्धांतों की रक्षा के लिए प्राणों की आहुति देने वालों में इनका अद्वितीय स्थान है। तेग बहादुर जी के बलिदान से हिंदुओं व हिन्दू धर्म की रक्षा हुई। हिन्दू धर्म के लोग भी उन्हें याद करते हैं ' तेग बहादुर सिंह 20 मार्च, 1664 को सिक्खों के गुरु नियुक्त हुए थे और 24 नवंबर, 1675 तक गद्दी पर आसीन रहे।

गुरु तेग बहादुर जी का जन्म अमृतसर में हुआ था, ये गुरु हरगोविन्द जी के पाँचवें पुत्र थे। आठवें गुरु इनके पोते हरिकृष्ण राय जी की मृत्यु हो जाने के कारण जनमत द्वारा ये नौवें गुरु बनाए गए। इन्होंने आनन्दपुर साहिब का निर्माण कराया और ये वहीं रहने लगे थे, मात्र 14 वर्ष की आयु में अपने पिता के साथ मुगलों के हमले के खिलाफ हुए युद्ध में उन्होंने वीरता का परिचय दिया। उनकी वीरता के कारण उनके पिता ने उनका नाम त्यागमल से तेग बहादुर रख दिया। युद्धस्थल में भीषण रक्तपात देखकर गुरु तेग बहादुर के मन पर गहरा प्रभाव पड़ा और उनका मन आध्यात्मिक चिंतन की ओर हुआ। त्याग की मूर्ति गुरु तेग बहादुर जी ने एकांत में लगातार 20 वर्ष तक बाबा बकाला नामक स्थान पर साधना की। आनंदपुर साहब से कीरतपुर, रोपण, सैफाबाद होते हुए वे खिआला पहुँचे । यहाँ उपदेश देते हुए दमदमा साहब से होते हुए कुरुक्षेत्र पहुँचे। कुरुक्षेत्र से यमुना के किनारे होते हुए कड़ामानकपुर पहुँचे और यहीं पर उन्होंने साधु भाई मलूकदास का उद्धार किया। इसके बाद गुरु तेग बहादुर जी प्रयाग, बनारस, पटना, असम आदि क्षेत्रों में गए, जहाँ उन्होंने आध्यात्मिक, सामाजिक, आर्थिक, उन्नयन के लिए रचनात्मक कार्य किए। आध्यात्मिकता, धर्म का ज्ञान बाँटा। रूढ़ियों, अंधविश्वासों की आलोचना कर नये आदर्श स्थापित किए। उन्होंने परोपकार के लिए कुएँ खुदवाना, धर्मशालाएँ बनवाना आदि कार्य भी किए। इन्हीं यात्राओं में 1666 में गुरुजी के यहाँ पटना साहब में पुत्र का जन्म हुआ। जो दसवें गुरु- गुरु गोविंद सिंह बने।

औरंगजेब के शासन काल में उसके दरबार में एक विद्वान पंडित आकर रोज गीता के श्लोक पढ़ता और उसका अर्थ सुनाता था, पर वह पंडित गीता में से कुछ श्लोक छोड़ दिया करता था। एक दिन पंडित बीमार हो गया और औरंगजेब को गीता सुनाने के लिए उसने अपने बेटे को भेज दिया परन्तु उसे बताना भूल गया कि उसे किन किन श्लोकों का अर्थ राजा से सामने नहीं करना था। पंडित के बेटे ने जाकर औरंगजेब को पूरी गीता का अर्थ सुना दिया। गीता का पूरा अर्थ सुनकर औरंगजेब को यह ज्ञान हो गया कि प्रत्येक धर्म अपने आपमें महान है किन्तु औरंगजेब की हठधर्मिता थी कि वह अपने के धर्म के अतिरिक्त किसी दूसरे धर्म की प्रशंसा सहन नहीं थी। औरंगजेब ने सबको इस्लाम धर्म अपनाने का आदेश दे दिया और संबंधित अधिकारी को यह कार्य सौंप दिया। औरंगजेब ने कहा -सबसे कह दो या तो इस्लाम धर्म कबूल करें या मौत को गले लगा लें। इस प्रकार की जबर्दस्ती शुरू हो जाने से अन्य धर्म के लोगों का जीवन कठिन हो गया। जुल्म से ग्रस्त कश्मीर के पंडित गुरु तेग बहादुर के पास आए और उन्हें बताया कि किस प्रकार ?इस्लाम को स्वीकार करने के लिए अत्याचार किया जा रहा है, कृपया आप हमारे धर्म को बचाइए। गुरु तेग बहादुर जब लोगों की व्यथा सुन रहे थे, उनके 9 वर्षीय पुत्र बाला प्रीतम वहाँ आए और उन्होंने पिताजी से पूछा- पिताजी, ये सब इतने उदास क्यों हैं? आप क्या सोच रहे हैं?गुरु तेग बहादुर ने पंडितों की सारी समस्याएं बाला प्रीतम को बताईं तो उन्होंने पूछा- इसका हल कैसे होगा? गुरु साहिब ने कहा- इसके लिए बलिदान देना होगा। प्रीतम ने कहा- आपसे महान पुरुष कोई नहीं है। बलिदान देकर आप इन सबके धर्म को बचाइए।उस बच्चे की बातें सुनकर वहाँ उपस्थित लोगों ने पूछा- यदि आपके पिता बलिदान देंगे तो आप यतीम हो जाएँगे। आपकी माँ विधवा हो जाएगीं। बाला प्रीतम ने उत्तर दिया- यदि मेरे अकेले के यतीम होने से लाखों बच्चे यतीम होने से बच सकते हैं या अकेले मेरी माता के विधवा होने जाने से लाखों माताएँ विधवा होने से बच सकती है तो मुझे यह स्वीकार है। तत्पश्चात गुरु तेग बहादुर जी ने पंडितों से कहा कि आप जाकर औरंगजेब से कह ?दें कि यदि गुरु तेग बहादुर ने इस्लाम धर्म ग्रहण कर लिया तो उनके बाद हम भी इस्लाम धर्म ग्रहण कर लेंगे और यदि आप गुरु तेग बहादुर जी से इस्लाम धारण नहीं करवा पाए तो हम भी इस्लाम धर्म धारण नहीं करेंगे। औरंगजेब ने यह स्वीकार कर लिया। गुरु साहब दिल्ली में औरंगजेब के दरबार में स्वयं गए। औरंगजेब ने उन्हें बहुत से लालच दिए, पर गुरु तेग बहादुर जी नहीं माने तो उन पर जुल्म किए गये, उन्हें कैद कर लिया गया, दो शिष्यों को मारकर गुरु तेग बहादुर जी को ड़राने की कोशिश की गयी, पर वे नहीं माने। उन्होंने औरंगजेब से कहा- यदि तुम जबर्दस्ती लोगों से इस्लाम धर्म ग्रहण करवाओगे तो तुम सच्चे मुसलमान नहीं हो क्योंकि इस्लाम धर्म यह शिक्षा नहीं देता कि किसी पर जुल्म करके मुस्लिम बनाया जाए। औरंगजेब यह सुनकर आगबबूला हो गया। उसने दिल्ली के चाँदनी चौक पर गुरु तेग बहादुर जी का शीश काटने का हुक्म जारी कर दिया और गुरु जी ने 24 नवम्बर 1675 को हँसते-हँसते बलिदान दे दिया। गुरु तेग बहादुरजी की याद में उनके शहीदी स्थल पर गुरुद्वारा बना है, जिसका नाम गुरुद्वारा शीश गंज साहिब है।

(लेखक पत्रकार हैं)

दुबई एयरशो में तेजस हादसा और मेक-इन-इंडिया की साख

योगेश कुमार गोयल

क्रैश के बाद भी चमकेगा भारत का स्वदेशी सितारा?

21 नवंबर को दुबई वर्ल्ड सेंट्रल (अल-मक्तूम) एयरपोर्ट पर आयोजित एयर शो के दौरान भारतीय वायुसेना का स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) 'तेजस एमके-1ए' अचानक नियंत्रण खोकर नीचे गिर गया और आग के गोले में बदल गया। भारतीय वायुसेना ने हादसे की पुष्टि करते हुए कहा कि इस दुर्घटना में पायलट की शहादत हुई है और घटना की खोज के लिए कोर्ट-ऑफ-इंक्वायरी गठित की गई है। दुबई एयरशो के दौरान हजारों लोग अपनी आंखें ऊपर टिकाए उस गर्वित क्षण को देख रहे थे, जब भारत का तेजस एमके-1ए देश की आकाश में अपने कौशल की झलक दिखा रहा था परंतु कुछ ही पलों में यह दृश्य एक भयावह त्रासदी में बदल गया। विमान ने अचानक अपनी स्थिरता खो दी, जैसे किसी ने उसकी धड़कन रोक दी हो और देखते-ही-देखते वह सीधे नीचे गिरता हुआ आग के विशाल गोले में परिवर्तित हो गया। धुएं का काला गुबार ऊपर उठा और पूरा एयरशो मानो स्तब्ध होकर ठहर गया। स्वदेशी इंजीनियरिंग का सबसे चमकदार प्रतीक यह वही तेजस है, जिसने पहली बार 2001 में उड़ान भरी थी और 23 वर्षों तक किसी भी दुर्घटना का शिकार नहीं हुआ। दुनिया के कई हल्के लड़ाकू विमानों में तेजस को सबसे सुरक्षित माना जाता था और आज भी उसकी श्रेणी में यह एक अत्यंत विश्वसनीय प्लेटफॉर्म है। तेजस क्रैश का यह दूसरा मामला है। पहला मार्च 2024 में राजस्थान के जैसलमेर के पास हुआ था, जिसमें पायलट सुरक्षित इजेक्ट हो गए थे। बाद की जांच में पाया गया था कि उस दुर्घटना का कारण इंजन का अचानक सीज होना था। इसके पीछे ऑयल पंप में खराबी की संभावना बताई गई थी। उस घटना के बाद पूरे एलसीए एमके-1 बेड़े की विस्तृत सुरक्षा जांच की गई और पाया गया कि विमान में कोई प्रणालीगत सुरक्षा खामी नहीं है। ऐसी स्थिति में दुबई हादसा एक बार फिर प्रश्न उठाता है कि आखिर इस विश्वसनीय प्लेटफॉर्म ने प्रदर्शन के दौरान अचानक ऐसा व्यवहार क्यों किया, जिसने पायलट को प्रतिक्रिया का भी अवसर नहीं दिया? दुबई एयरशो में विमान द्वारा किए जा रहे मैन्यूवर्स के दौरान जो दृश्य सामने आए, उन्होंने विशेषज्ञों के बीच कई सवाल पैदा किए हैं। विमान तेज गति से एक मोड़ ले रहा था और सामान्यतः ऐसी परिस्थितियों में तेजस जैसे आधुनिक चौथी पीढ़ी के विमान स्थिर रहते हैं परंतु पलभर में ही उसका नियंत्रित ग्लाइड अचानक एक फ्री-फॉल में तब्दील हो गया। विमान के नीचे आते ही कुछ ही सैकेंड में वह पूरी तरह आग में घिर गया। ऐसे में सवाल यही है कि क्या तेजस में कोई ऐसी खामी थी, जो वह दुर्घटनाग्रस्त हुआ। क्या उसकी उड़ान से पहले फिट होने की सही तरह से जांच नहीं की गई थी? न केवल देश बल्कि दुनिया के सामने यह सामने आना जरूरी है कि आखिर तेजस एकाएक हवा से सीधा जमीन पर क्यों आ गिरा क्योंकि इसे पूरी तरह सुरक्षित माना जाता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, या तो विमान को अचानक पावर लॉस हुआ या किसी महत्वपूर्ण नियंत्रण प्रणाली ने काम करना बंद कर दिया। यह भी संभव है कि अत्यधिक तेज कोण (एंगल ऑफ अटैक) में मोड़ लेते हुए विमान एरोडायनामिक स्टॉल का शिकार हो गया हो परंतु अनुभवी टेस्ट पायलट ऐसे मैन्यूवर के दौरान सामान्यतः नियंत्रण नहीं खोते। इसलिए जांच की दिशा स्वाभाविक रूप से किसी तकनीकी विफलता, इंजन व्यवहार, नियंत्रण प्रणाली या अचानक हुई किसी यांत्रिक टूट-फूट की तरफ जाएंगी। तेजस एमके-1ए को भारत का सबसे आधुनिक, हल्का और अत्याधुनिक तकनीक वाला लड़ाकू विमान माना जाता है। यह सुपरसोनिक गति से उड़ान भर सकता है, बियॉन्ड विजुअल रेंज मिसाइलें दाग सकता है और एक साथ कई लक्ष्यों को भेद सकता है। इसका ढ़ांचा टाइटेनियम, एल्युमिनियम-लिथियम मिश्रधातुओं और कार्बन फाइबर कंपोजिट से बना है, जिससे यह बेहद हल्का और मजबूत बनता है। यह हल्का वजन ही इसे असाधारण फुर्ती प्रदान करता है। तेजस की रेंज, पेलोड और युद्धक क्षमता इसे एशिया और अफ्रीका के कई देशों में आकर्षण का केंद्र बनाती हैं। मलेशिया, तुर्कमेनिस्तान, इजिप्ट, यूएई, श्रीलंका और सिंगापुर जैसे देश इसमें रुचि दिखा रहे हैं। इसीलिए दुबई एयरशो में तेजस की उपस्थिति भारत के लिए केवल तकनीक का प्रदर्शन नहीं थी बल्कि यह एक अंतर्राष्ट्रीय मंच था, जहां भारत अपनी रक्षा विनिर्माण क्षमता का भरोसेमंद चेहरा पेश कर रहा था। ऐसे में तेजस का प्रदर्शनी के दौरान दुर्घटनाग्रस्त होना स्वाभाविक रूप से भारत की निर्यात संभावनाओं के लिए चिंता का विषय है। हालांकि रक्षा विशेषज्ञ इस बात पर सहमत हैं कि एक अकेली दुर्घटना किसी विमान की छवि को स्थायी रूप से धूमिल नहीं करती, बशर्ते जांच पारदर्शी, तेज और गहन हो। एफ-16, मिग-29, राफेल, ग्रिपेन इत्यादि दुनिया के लगभग सभी प्रसिद्ध युद्धक विमानों की शुरूआती वर्षों में दुर्घटनाएं हुई थी लेकिन समय के साथ वे दुनिया के सबसे विश्वसनीय प्लेटफॉर्म बने। अतः तेजस के लिए भी यह निर्णायक परीक्षा का समय है।

तेजस भारत का पहला पूर्णतः स्वदेशी लड़ाकू विमान है, हालांकि इसका इंजन अमेरिकी कंपनी जीई से आता है। भारत और जीई के बीच 2021 और 2023 में हुए समझौतों के तहत एमके-1ए और एमके-2 कार्यक्रम के लिए इंजन की आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। इंजनों पर आंशिक निर्भरता के बावजूद तेजस की बाकी प्रणाली(डिजाइन, ढ़ांचा, एवीओनिक्स, राडार) भारत द्वारा विकसित की गई हैं। तेजस को भारतीय वायुसेना में 2016 में शामिल किया गया था और तब से इसकी दो स्क्वाड्रन सेवा में हैं। एमके-1ए संस्करण, जो कि दुर्घटनाग्रस्त विमान का मॉडल था, तेजस परिवार का सबसे उन्नत संस्करण माना जाता है। इसके लिए 2021 में भारत सरकार ने एचएएल को 48,000 करोड़ रुपये का बड़ा अनुबंध दिया था और हाल ही में इसकी 97 और इकाईयों के लिए लगभग 62,000 करोड़ रुपये का नया समझौता हुआ था। इसका मतलब है कि भारत आगामी वर्षों में तेजस को अपनी वायुसेना का मुख्य लाइट-फाइटर प्लेटफॉर्म बनाने की दिशा में बढ़ चुका है।

ऐसे समय में दुबई जैसी अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी में हुआ यह क्रैश सार्वजनिक विमर्श में कई प्रश्न छोड़ गया है। क्या यह तकनीकी खामी थी? क्या प्रदर्शन की परिस्थितियां अनुकूल नहीं थी? क्या किसी बाहरी तत्व ने विमान के व्यवहार को प्रभावित किया? क्या पूर्व क्रैश से सीखी गई तकनीकी सीखों को एमके-1ए में पर्याप्त रूप से शामिल किया गया था? इस घटना का एक और भावनात्मक पक्ष है, पायलट की शहादत। एक टेस्ट पायलट उच्च-जोखिम वाले वातावरण में उड़ान भरता है। वे केवल उड़ान नहीं भरते बल्कि हर उड़ान में विमान, उसकी प्रणालियों और उसकी हर क्षमता का परीक्षण करते हैं। इसीलिए उन्हें एयरोनॉटिक्स का अग्रदूत माना जाता है। इस हादसे के बीच यह तथ्य नहीं भुलाया जा सकता कि तेजस अब भी भारत की तकनीकी आत्मनिर्भरता, सामरिक क्षमता और रक्षा-विकास की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। इस दुर्घटना से तेजस का भविष्य खत्म नहीं होता बल्कि यह उसके विकास की गति को और तर्कसंगत, वैज्ञानिक और मजबूत बनाने का अवसर बन सकता है।

भारत में जलवायु संकट-स्वास्थ्य एवं समृद्धि पर कहर

जलवायु परिवर्तन से उपजी पर्यावरणीय चुनौतियाँ आज मानव सभ्यता के अस्तित्व तक को प्रभावित कर रही हैं। जलवायु परिवर्तन अब कोई दूर का वैज्ञानिक विचार नहीं, बल्कि तत्काल अनुभव किया जाने वाला यथार्थ है, जिसकी भयावहता का प्रमाण सीएसई और डाउन टू अर्थ की क्लाइमेट इंडिया 2025 की रिपोर्ट में स्पष्ट दिखाई देता है। जनवरी से सितंबर 2025 तक भारत ने अपने 99 प्रतिशत दिनों में किसी न किसी चरम मौसमी घटना-बाढ़, सूखा, भारी बारिश, तूफान, ठंड-लहर, अथवा भीषण गर्मी का सामना किया। इसी अवधि में 4,064 लोगों की मौत, 9.47 मिलियन हेक्टेयर फसल का नष्ट होना, लगभग 58,982 जानवरों की मृत्यु और 99,533 घरों का ढहना इस संकट की गहराई को दशार्ते हैं। कृषि क्षेत्र इन घटनाओं का सबसे बड़ा शिकार बना, क्योंकि जलवायु असंतुलन ने खेतों, मौसम चक्र और पैदावार को सीधे प्रभावित किया। बढ़ते तापमान और असामान्य वर्षा ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था को गहरी चोट पहुंचाई है। दुनिया के सबसे बड़ी आबादी वाले देश के सामने ये मुश्किलें सबसे बड़ी हैं। हिमाचल प्रदेश में 257 दिनों का चरम मौसम, मध्य प्रदेश में 532 मौतें और महाराष्ट्र में 84 लाख हेक्टेयर फसल का नुकसान बताता है कि यह सिर्फ पर्यावरणीय विषय नहीं, बल्कि मानव जीवन, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था का संकट है।

2025 में, कम से कम 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 2022 के बाद से सबसे अधिक चरम मौसमी दिन दर्ज किए गए। फरवरी से सितंबर 2025 तक, लगातार आठ महीनों तक देश के 30 या उससे अधिक राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में चरम मौसम की घटनाएं रिकॉर्ड की गईं। भारत में जैसे हालात हैं, वही स्थिति पूरे विश्व में भी फैलती जा रही है। वर्ष 2023, 2024 और 2025 दुनिया के सबसे गर्म वर्षों में शामिल रहे। यूरोप की निरंतर हीटवेव, अफ्रीका के साहेल क्षेत्र का अकाल, अमेजन और ऑस्ट्रेलिया के जंगलों में लगी आग, प्रशांत और अटलांटिक महासागरों में उग्र तूफान, और ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने की घटनाएँ यह संकेत दे रही हैं कि पृथ्वी एक खतरनाक मोड़ की ओर बढ़ रही है। मौसम चक्रों का असंतुलन, समुद्र स्तर में वृद्धि, तापमान का अचानक बढ़ना और वर्षा का अनियमित होना, प्राकृतिक आपदाओं को न सिर्फ अधिक सघन बना रहा है बल्कि मानव जीवन को असुरक्षित भी। जलवायु परिवर्तन की सबसे बड़ी वजह मनुष्य की अनियंत्रित गतिविधियाँ हैं- जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता, वनों की कटाई, प्रदूषण, अनियोजित शहरीकरण और अत्यधिक उपभोग ने वातावरण में ग्रीनहाउस गैसों को खतरनाक स्तर तक बढ़ा दिया है, जिसका परिणाम है पृथ्वी का असामान्य रूप से गर्म होना। इन परिस्थितियों का असर जीवन के हर क्षेत्र पर दिखाई दे रहा है। स्वास्थ्य पर प्रभाव बढ़ रहा है, हीटवेव के कारण मौतें बढ़ रही हैं, नए वायरस और प्रदूषण से उत्पन्न बीमारियों की आवृत्ति बढ़ी है। जल संसाधन खतरे में हैं और कई क्षेत्रों में नदियाँ व भूजल तेजी से सूख रहे हैं। खाद्य संकट गहराता जा रहा है क्योंकि फसलें असफल हो रही हैं, जिससे अनाज और सब्जियों की कीमतें बढ़ रही हैं। प्राकृतिक आपदाओं से आर्थिक ढाँचा भी डगमगा रहा है, लाखों लोग विस्थापित हो रहे हैं और असमानता तेजी से बढ़ रही है। यदि दुनिया ने तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने का लक्ष्य पूरा नहीं किया, तो आने वाले तीन दशकों में हिमालयी नदियों का प्रवाह अनिश्चित हो जाएगा, तटीय शहर खतरे में पड़ेंगे और मानव जीवन मुश्किल होता चला जाएगा।

जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभाव को दशार्ती एक ओर रिपोर्ट पिछले दिनों 'द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025' के अनुसार पिछले साल जलवायु परिवर्तन के कारकों से कृषि क्षेत्र में 66 फीसदी और निर्माण क्षेत्र में बीस फीसदी का नुकसान हुआ। यह रिपोर्ट इशारा करती है कि अत्यधिक गर्मी के कारण श्रम क्षमता में कमी के कारण 194 अरब डॉलर की संभावित आय का नुकसान हुआ। उल्लेखनीय है कि यह रिपोर्ट विश्व के 71 शैक्षणिक संस्थानों और संयुक्त राष्ट्र की एजेंसियों के 128 अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञों ने तैयार की, जिसका कुशल नेतृत्व यूनिवर्सिटी कालेज लंदन ने किया। इस रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य के बीच संबंधों का अब तक सबसे व्यापक आकलन किया गया है। रिपोर्ट बताती है कि साल 2020 से 2024 के बीच भारत में औसतन हर साल दस हजार मौतें जंगल की आग से उत्पन्न पीएम 2.5 प्रदूषण से जुड़ी थीं। चिंता की बात यह है कि यह वृद्धि 2003 से 2012 की तुलना में 28 फीसदी अधिक है, जो हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए।

विडंबना यह है कि 'द लांसेट' की रिपोर्ट में सामने आए गंभीर तथ्यों के बावजूद अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इस संकट से मिलकर जूझने की ईमानदार कोशिश होती नजर नहीं आती। यह निर्विवाद तथ्य है कि दुनिया के विकसित देश अपनी जिम्मेदारी से लगातार बचने के प्रयास कर रहे हैं। खासकर हाल के वर्षों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जलवायु परिवर्तन को लेकर जो गैरजिम्मेदाराना रवैया अख्तियार किया है, उससे नहीं लगता कि वैश्विक स्तर पर इस संकट से निपटने की कोई गंभीर साझा पहल निकट भविष्य में सिरे चढ़ेगी। विकसित देश इस दिशा में मानक पेरिस समझौते की संस्तुतियों को नजरअंदाज करते नजर आते हैं। सीएसई और डाउन टू अर्थ की क्लाइमेट इंडिया और द लांसेट काउंटडाउन ऑन हेल्थ एंड क्लाइमेट चेंज 2025 रिपोर्टों में उजागर तथ्य हमारी आंख खोलने वाले व सचेतक हैं।

इन्हीं चिन्ताजनक रिपोर्टों पर सीएसई की महानिदेशक सुनिता नारायण ने कहा, देश को अब सिर्फ आपदाओं को गिनने की जरूरत नहीं है, बल्कि उस पैमाने को समझने की जरूरत है जिस पर जलवायु परिवर्तन हो रहा है। उन्होंने वैश्विक स्तर पर उत्सर्जन कटौती की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया, क्योंकि इतने बड़े पैमाने की आपदाओं के लिए कोई भी अनुकूलन संभव नहीं होगा। सीएसई के कार्यक्रम निदेशक किरन पांडे ने मानसून के दौरान बढ़ते तापमान को चिंताजनक बताया, जो अनियमित और चरम मौसमी घटनाओं को ट्रिगर कर सकता है। डाउन टू अर्थ के प्रबंध संपादक रिचर्ड महापात्रा ने कहा कि यह रिपोर्ट एक आवश्यक चेतावनी है और बिना निर्णायक शमन प्रयासों के आज की आपदाएं कल का नया सामान्य बन जाएंगी। ऐसे समय में सिर्फ सरकारों और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि हर आम नागरिक को भी पर्यावरण संरक्षण का सहभागी बनना होगा। सबसे पहले जीवनशैली को प्रकृति के अनुकूल बनाना जरूरी है, ऊर्जा की बचत, जल का सीमित और विवेकपूर्ण उपयोग, प्लास्टिक का परित्याग, वृक्षारोपण, जैविक कचरे का पृथक्करण और पुनर्चक्रण जैसी छोटी गतिविधियाँ बड़े परिणाम ला सकती हैं। घरेलू स्तर पर सौर ऊर्जा, वर्षा जल संचयन, रसोई कचरे से खाद बनाना और अनावश्यक उपभोग कम करना पर्यावरण पर सकारात्मक असर डालते हैं। वाहन का कम उपयोग, सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता, पैदल चलने और साइकिल जैसे पर्यावरण-मित्र विकल्प अपनाना जलवायु परिवर्तन से लड़ने की दिशा में शक्तिशाली कदम हैं।

पर्यावरणीय संवेदनशीलता भी उतनी ही आवश्यक है जितनी तकनीकी कोशिशें। प्रकृति के प्रति सम्मान की भावना, संसाधनों का संयमित उपयोग, और भविष्य की पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को सुरक्षित रखने की दृष्टि, जलवायु संकट के खिलाफ हमारी सामूहिक ताकत बन सकती है। यदि समाज में यह चेतना विकसित हो कि प्रकृति का संरक्षण ही जीवन और प्रगति का आधार है, तो परिवर्तन स्वतः शुरू हो जाता है। शिक्षा, जागरूकता और जनभागीदारी इस लड़ाई के सबसे महत्वपूर्ण हथियार हैं। स्कूलों और घरों में बच्चों को पर्यावरणीय मूल्यों का प्रशिक्षण देना भविष्य के लिए अत्यंत उपयोगी होगा। जलवायु संकट अपने आप नहीं थमेगा; इसे रोकने के लिए संकल्प, संयुक्त प्रयास और सतत विकास को जीवन की प्राथमिकता बनाना आवश्यक है। पृथ्वी हमारे पास केवल एक है और उसका कोई विकल्प नहीं। समय का यही संदेश है कि यदि हम प्रकृति की चेतावनियों को गंभीरता से नहीं लेंगे, तो आने वाला समय मानवता के लिए और भी कठिन हो जाएगा। लेकिन यदि हर मनुष्य अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाए, तो जलवायु परिवर्तन की दिशा को बदला जा सकता है और धरती को संतुलन, शांति और स्थायित्व प्रदान किया जा सकता है।

द आर्यन्स में अंग्रेजी संवाद कौशल पर प्रेरणादायक कार्यशाला का सफल आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- द आर्यंस जोया में विद्यार्थियों की भाषा दक्षता को सुदृढ़ करने हेतु इंग्लिश कन्वर्सेशन स्किल्स वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य छात्रों में अंग्रेजी बोलचाल के प्रति आत्मविश्वास बढ़ाना तथा उन्हें व्यावहारिक संवाद कौशल से परिचित कराना था। कार्यशाला का शुभारंभ प्रधानाचार्य आदेश सिंह द्वारा दीप प्रज्वलन एवं अतिथि स्वागत के साथ हुआ। भाषा विशेषज्ञ रश्मिता राव द्वारा विद्यार्थियों को अंग्रेजी उच्चारण, दैनिक जीवन में होने वाली सामान्य बातचीत, समूह चर्चा, संवाद निर्माण तथा प्रस्तुतीकरण कला के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराने की सीख दी गई। इंटरैक्टिव गतिविधियों, रोल-प्ले, प्रश्न-उत्तर सत्र और संवाद अभ्यास के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को भाषा के वास्तविक उपयोग का अनुभव कराया गया। शगुफ्ता हामिद, रमन बाला, प्रेरणा, मुस्कान ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी सीखने की ललक और प्रतिभा का परिचय दिया। विशेषज्ञ प्रशिक्षकों ने शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि इंग्लिश कन्वर्सेशन जैसे कौशल आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य आदेश सिंह ने बताया कि ऐसी कार्यशालाएँ

शिक्षको के साथ-साथ पढ़ाये गए छात्र- छात्रों को न केवल भाषाई रूप से सक्षम बनाती हैं, बल्कि उन्हें आत्मविश्वासी, अभिव्यक्तिपूर्ण और भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार भी करती हैं। इस अवसर पर विद्यालय के प्रबंधक चौधरी हरपाल सिंह, अनिल कुमार सिंह व निदेशक अमन लिट्टू और गौरव चौधरी ने सभी विद्यार्थियों और आयोजन टीम को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। कार्यशाला को शिक्षकों ने अत्यंत उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया ' कार्यशाला में अजीत सिंह, जागृति कौशिक, शुभम शर्मा, सुमित चौधरी, अंजना, रिया, फुरकान सैफी, चांदनी बत्रा, प्रगति टंडन, सुचित्रा, शिवानी सरोहा, रुचि सिंह, रोहित कुमार, खुशबू चौधरी, प्रियंका देवी, रमनबाला, शैलजा चौधरी, विपिन कुमार, अदिति, अनुज, सुमित कुमार, नाहिद नकवी, रचना, अभिषेक सुमन, शिवानी गुप्ता, हुमा बेबी आदि शिक्षक शिक्षिकाओं ने सक्रिय रूप से भागीदारी निभाई '

न्याय पंचायत स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में न्याय पंचायत स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता 2025- 26 ककराली जोया न्यायपंचायत ,ब्लॉक जोया का आयोजन उ० प्रा० वि० कपासी के मैदान पर किया गया। वरिष्ठ शिक्षक संकुल मुरशल हुसैन एवं अनीस अहमद द्वारा कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा-प्राथमिक स्तर पर 50 मीटर बालिका प्रेशिका(कपाती) बालक फैज (नरधो) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।100 मीटर बालिका प्रेशिका(कपासी)बालक फैज(नरधो) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।400 मीटर प्राइमरी बालक यश(कपासी) 400 मीटर प्राइमरी बालिका रेशिका(कपासी) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 100 मीटर जूनियर बालक वर्ग में अमन (फतेहपुर अब्दु) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया ।100मी बालिका जूनियर -

प्रिया(कपासी) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया 200 मीटर जूनियर बालिका प्रिया (कपासी) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।200 मीटर जूनियर बालक वंश(फतेहपुर अब्दु) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। 400 जूनियर बालक वर्ग वंश (फतेहपुर अब्दु)ने प्रथम स्थान,400 जूनियर बालिका खुशी(फतेहपुर अब्दु) ने प्रथम स्थान लंबी कूद प्राइमरी स्तर बालक वर्ग फैज(नरथो)ने प्रथम स्थान प्राप्त किया ।लंबी कूद प्राइमरी स्तर बालिका वर्ग प्रेशिका (कपासी)ने प्रथम स्थान प्राप्त किया लंबी कूद जूनियर स्तर बालक वर्ग प्रिंस(कपासी) ने प्रथम स्थान प्राप्त किया ।लंबी कूद बालिका प्रिया (कपासी)प्रथम रही। कबड्डी में प्राथमिक और जूनियर स्तर बालक वर्ग में कपासी प्रथम और सविलियन विधालय नरथो ने दूसरा स्थान प्राप्त किया खो खो में नरथो विधालय प्रथम स्थान पर रहा दूसरा स्थान कपासी ने प्राप्त किया खेलो का संचालन व्यायाम शिक्षक पुरूजित चौधरी,और मंच संचालन नजीर अली ने किया इस अवसर पर संकुल शिक्षक सुरेंद्र सिंह, शमीम अहमद, जयदीप चौधरी नजीर अली,मॉ० जिशान,जयवीर सिंह ,असररूदीन, लोकेश कुमार,माणिका,फरीन,कमेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

शहर में महात्मा गाँधी जी की प्रतिमा का सौंदर्यकरण कार्य का हुआ अनावरण

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में नगर पालिका परिषद अमरोहा द्वारा महात्मा गाँधी जी की प्रतिमा एवं प्रतिमा स्थल के कराये गए सौंदर्यकरण कार्य का अनावरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कँवर सिंह तंवर , सांसद अमरोहा व सत्यपाल सिंह सैनी, सदस्य विधान परिषद व राजीव तरारा विधायक धनोरा विधानसभा, उदयगिरी गोस्वामी जिलाध्यक्ष भाजपा सहित भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी, नगर पालिका परिषद अमरोहा के समस्त सभासदों व बड़ी संख्या मे आये नगर वासियो की उपस्थित मे जनप्रतिनिधि के साथ नगर पालिका परिषद अमरोहा की अध्यक्ष शशि जैन द्वारा किया गया। नगर के केंद्र बिंदु स्टेशन रोड पर स्थित राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी की प्रतिमा जो काफी वर्ष पूर्व स्थापित की गयी थी, प्रतिमा व प्रतिमा क्षेत्र काफी पुराना एवं क्षीर्ण हो गया था। मुख्यमंत्री एवं

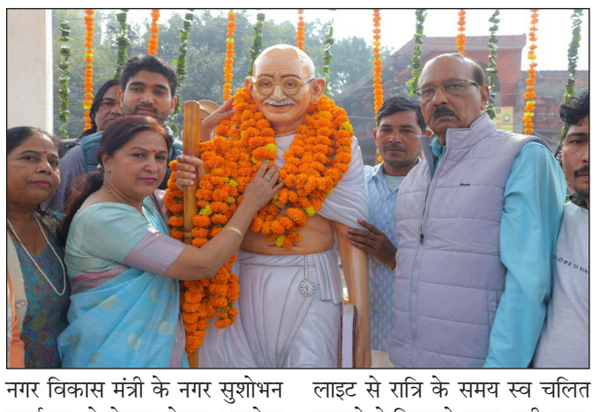

नगर विकास मंत्री के नगर सुशोभन कार्यक्रम से प्रेरणा लेकर अमरोहा का सौन्दर्य करण कराये जाने के क्रम मे महात्मा गाँधी जी की प्रतिमा क्षेत्र का सौन्दर्य करण कराया गया है। जिसमे महात्मा गाँधी जी की नवीन प्रतिमा स्थापित की गयी है, प्रतिमा के नीचे स्व चलित फवारा बनाया गया है तथा प्रतिमा के ऊपर बने छत्र पर सुन्दर लाइट्स लगायी गयी हैं साथ ही फव्वारे पर पड़ने वाली लाइट से रात्रि के समय स्व चलित फव्वारे से निकलने वाला पानी लाइट के रंग के साथ रंग बदलता हुआ लगता है, इस प्रकार दिन एवं रात्रि के समय प्रतिमा स्थल अलग अलग सुन्दर छटा मे दिखाई देता है। इस अवसर पर पालिका अध्यक्ष शशि जैन ने अपने सम्बोधन मे कहा गया की प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आशीर्वाद से एवं जनपद के जनप्रतिनिधि एवं नगर वासियो के सहयोग से अमरोहा नगर को एक उच्च सुविद्या सौन्दर्य युक्त तथा आदर्श नगर बनाये जाने का प्रयास एवं कार्य किया जा रहा है जिसके प्रमाण के रूप मे नगर का चंहूओर विकास जैसे मार्ग प्रकाश, सडक, नाले नाली, चौराहो का निर्माण, हर घर जल, सड़को पर हरियाली, सहित बेहतर नगरीय सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं। इसी क्रम मे रविवार को महात्मा गाँधी की प्रतिमा एवं प्रतिमा स्थल का सौन्दर्य करण इसी विकास की झलक है। नगर पालिका परिषद अमरोहा के नगर को स्वच्छ व सुन्दर बनाये जाने के प्रयासों मे आयोजित कार्यक्रम मे पधारे समस्त जनप्रतिनिधि, विभिन्न राजनैतिक, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि व बड़ी संख्या मे कार्यक्रम मे उपस्थित मातृ शक्ति व नगर वासियो का स्वागत, अभिनन्दन व धन्यवाद प्रस्तुत किया गया।

परिवहन विभाग ने 09 अनाधिकृत यात्री वाहनों को सीज कर 47 वाहन चालकों का काटा चालान

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में परिवहन विभाग ने प्राइवेट पंजीकृत वाहनों द्वारा अवैध रूप से सवारी ढोने और किराया वसूलने के खिलाफ जोरदार कार्रवाई तेज कर दी है। रविवार को एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा के नेतृत्व में दो विशेष टीमों का गठन किया गया। पहली टीम का नेतृत्व स्वयं महेश शर्मा ने किया, जबकि दूसरी टीम की कमान पीटीओ सुधीर सिंह को सौंपी गई।अभियान का मुख्य लक्ष्य वे निजी वाहन थे जो व्यवसायिक उपयोग में लाए जा रहे हैं। ये वाहन सवारियां भरकर विभिन्न स्थानों तक किराया लेकर पहुंचाते हैं, जो पूरी तरह

अवैध है। अभियान अमरोहा हाईवे पर जोया फ्लाईओवर से ब्रजघाट तथा जोया फ्लाईओवर से मुरादाबाद बॉर्डर तक चलाया गया।इस दौरान कुल 09 अनाधिकृत यात्री वाहनों को सीज कर चालान किया गया। सीज वाहनों को गजरौला पुलिस चौकी, रोडवेज बस स्टैंड अमरोहा और डिडौली थाने में रखवाया गया। इसके अलावा सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन करने वाले 47 अन्य वाहन चालकों के खिलाफ भी चालान काटा गया। इनमें बिना हेलमेट, मोबाइल पर बात करते चलाना, विपरीत दिशा में वाहन चलाना तथा बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाने जैसे मामले शामिल रहे।कार्रवाई के दौरान कुछ चालक वाहन छोड़कर भागने या संकरी गलियों में घुसने की कोशिश करने लगे, लेकिन टीमों की मुस्तैदी से कोई भी बच नहीं सका। अवैध वाहन चालकों व मालिकों में हड़कंप मच गया। परिवहन विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

डीएम ने की जनप्रतिनिधियों एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से एसआईआर के कार्यों में सहयोग की अपील

अमरोहा (सब का सपना):- जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने सभी वार्ड और ग्रामों में विशेष गहन पुनरीक्षण (एस०आई०आर) करवाये जाने के संबंध में जनपद के समस्त जन प्रतिनिधियों एवं समस्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों से अपील करते हुए कहा कि जनपद में भारत निर्वाचन आयोग के निदेशों के कम में विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का कार्यक्रम 04 नवंबर से 04 दिसंबर तक चल रहा है, जिसमें सभी मतदेय

स्थलों एवं सभी ग्रामों एवं सभी वार्डों में हैल्प डैस्क सेन्टरों को स्थापित किया गया है। बताया कि बी०एल०ओ० द्वारा गणना प्रपत्र वितरित कराये गये है। उन्होंने सभी से निवेदन करते हुए कहा कि वितरित गणना प्रपत्रों को भरवाते हुए उसमें वर्ष 2003 की मतदाता सूची के विवरण / मोबाईल नम्बर एवं एक अद्यतन फोटो (जिसका बैकग्राउण्ड सफेद हो) को शीघ्रता से संबंधित बी०एल०ओ० को उपलब्ध कराने में सहयोग करें एवं इस हेतु जनता को प्रेरित करें।

धनौरा व बछरायूं में मनाया गया पुलिस झंडा दिवस

पुलिस कर्मियों ने ध्वजारोहण कर ली कर्तव्यनिष्ठा की शपथ

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा व थाना बछरायूं में पुलिस झंडा दिवस बड़े ही हर्ष उल्लास ,सम्मान और अनुशासन के साथ मनाया गया। इस अवसर पर धनोरा थाने में वरिष्ठ उप निरीक्षक सतीश कुमार और बछरायूं थाने में थाना प्रभारी अमित कुमार तोमर ने अन्य पुलिसकर्मियों संग विधिवत ध्वजारोहण कर कर्तव्यनिष्ठा की शपथ ग्रहण की। इसके बाद पुलिस ध्वज फहराते ही मौजूद पुलिस कर्मियों ने सावधान होकर सलामी दी और अपनी निष्ठा व्यक्त की। बता दें कि रविवार 23 नवंबर को थाना मंडी धनौरा एवं थाना बछरायूं में पुलिस झंडा दिवस बड़े ही हर्ष उल्लास, सम्मान और अनुशासन के साथ मनाया गया। इस अवसर पर ध्वजारोहण के दौरान थाना परिसरों में एक संक्षिप्त समारोह भी आयोजित किया गया। इसमें थाना प्रभारियों ने सभी पुलिस कर्मियों की कर्तव्य निष्ठा, अनुशासन ,ईमानदारी और पूर्ण समर्पण के साथ अपने दायित्व का निर्वहन करने की शपथ दिलाई ।पुलिस कर्मियों ने जनता की सुरक्षा और सेवा को सर्वोपरि रखते हुए तथा किसी भी परिस्थिति में कर्तव्य से पीछे न हटाने का वचन लिया। धनोरा में वरिष्ठ उपनिरीक्षक सतीश कुमार ने पुलिस झंडा दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला।उन्होंने बताया कि यह दिवस हर वर्ष 23 नवंबर को मनाया जाता है जो उत्तर प्रदेश पुलिस के इतिहास में एक गोरखपुर दिन है। वहीं बछरायूं थाना प्रभारी अमित कुमार तोमर ने बताया कि इसी दिन देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने उत्तर प्रदेश पुलिस और पीएसी को पुलिस ध्वज प्रदान किया था। उन्होंने कहा कि यह ध्वज सहज, पराक्रम, अनुशासन और सेवा भावना का प्रतीक है जो पुलिस को अपनी गौरवशाली विरासत और कर्तव्यों की याद दिलाता है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने आमजन की सुविधा के दृष्टिगत 2003 की मतदाता सूची के पोर्टल लिंक के बारे में दी जानकारी

अमरोहा (सब का सपना):- जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा विकसित किये गये पोर्टल के माध्यम से 2003 की मतदाता सूची में नाम आसानी से खोजा जा सकता है। इस सुविधा से एक क्लिक के माध्यम से जानकारी को प्राप्त किया जा सकता है। इस कदम से जंहा पारदर्शिता बढेगी वंही चुनाव प्रक्रिया में भाग लेना आसान होगा तथा एसआईआर की प्रक्रिया में भी आसानी आएगी। इसका मूल उद्देश्य आमजनों की समस्याओं को निस्तारित कर चुनाव में अधिक से अधिक भागीदारी को बढाना है। निधि गुप्ता वत्स ने बताया कि https:// voters.eci. gov.in/ searchIn SIR/S2UA4DPDF - JK4QWODSE पर क्लिक कर 2003 की मतदाता सूची में नाम की जानकारी ली जा सकती है। इसके अतिरिक्त चुनाव संबंधी समस्त

जानकारियां भी प्राप्त की जा सकती है। इसमें जनपद का नाम डालते ही विधानसभा को चयनित करना होगा। जिससे विधानसभा में समस्त बूथों की सूची दिखाई देगी। इसको सेलेक्ट करते ही समस्त जानकारियां मिल सकेंगी। आयोग का यह कदम न केवल मतदाता सूची को अपडेट करने में सहायक होगा बल्कि पारदर्शिता और विश्वास बढ़ाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण साबित होगा। इस तकनीकी सुधार के माध्यम से अधिक से अधिक नागरिकों को मतदाता सूची के प्रति जागरूक करना और सुधार प्रक्रिया में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है।

मंडी धनौरा स्थित वाईएमएस कॉलेज में 'कला आचार्य प्रदर्शनी बरेली मंडल' का शुभारंभ

मंडी धनोरा/अमरोहा (सब का सपना):- नगर क्षेत्र स्थित वाईएमएस कॉलेज में कला आचार्य प्रदर्शनी बरेली मंडल का शुभारंभ बड़े ही शानदार तरीके से किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश एवं क्रिएटिव आर्टिस्ट समिति उत्तर प्रदेश द्वारा कराया गया। अयोध्या में श्री राम मंदिर में स्थापित रामलाल की मूर्ति के रचनाकार और राज्य ललित कला अकादमी उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष राज्य मंत्री डॉ सुनील कुमार विश्वकर्मा व विशिष्ट अतिथि एकेडमी सदस्य डॉ दुर्जन सिंह राणा के साथ इस कार्यक्रम का भव्य उद्घाटन किया। बता दें कि रविवार को आयोजित इस कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ विश्वकर्मा एवं डॉ राणा ने फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर किया। कॉलेज के प्रबंधक रियाज अहमद सैफी ने अतिथियों को पटका

पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य कला एवं कलाकारों को एक साझा मंच प्रदान करना है। प्रदर्शनी में बरेली के दिवाकर आर्य और बिजनौर की रिचा शर्मा की कलाकृतियों की मुख्य अतिथि ने विशेष प्रशंसा की। इस अवसर पर डॉ सुनील कुमार विश्वकर्मा ने कला शिक्षकों को कला के महत्व और इसके विभिन्न पहलुओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ ए के सिंह ने बरेली शाहजहांपुर, पीलीभीत, मुरादाबाद, संभल, बिजनौर एवं अमरोहा सहित विभिन्न जिलों से आए चित्रकारों का स्वागत किया। यह प्रदर्शनी क्षेत्रीय कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शनी करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान कर रही है। प्रदर्शनी संयोजक डॉक्टर सोहन सिंह ने वहां मौजूद मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि और सभी शिक्षक कलाकारों को उनकी सहभागिता एवं सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। यह प्रदर्शनी 24 नवंबर तक चलेगी। इस अवसर पर महाविद्यालय का समस्त स्टाफ राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक और कला छात्र भी उपस्थित रहे। प्रमुख शिक्षक कलाकारों में अहमद अली, निशा रानी, रुद्राक्ष भारद्वाज, संजय कुमार, अमन कुमार, विमलेश और ऋषि दोहरे शामिल रहे।

राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकताओं ने की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- रविवार को सायंकाल में राष्ट्र सेवी संगठन के कार्यकताओं की बैठक हसनपुर क्षेत्र के ग्राम दीपपुर में सच्चिदानंद सत्संग आश्रम में आयोजित की गई। इस अवसर पर उपस्थित राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने बताया कि चुनाव आयोग द्वारा मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। मुस्लिम समाज द्वारा फार्म भरने में बी एल ओ टीम का किया जा रहा सहयोग सराहनीय है। हिंदू समाज द्वारा अभियान में सहयोग कम किया जा रहा है। रोजगार सेवक और राशन डीलर भी अपेक्षित सहयोग नहीं प्रदान कर रहे हैं। बार बार तहसील दार हसनपुर से आग्रह करने

के बाद भी कोई समाधान नहीं किया जा रहा है। उन्होंने आशंका जताई कि स्थिति में सुधार न करने पर अभियान की शत प्रतिशत सफलता संभव नहीं है। उन्होंने समाज सेवी संगठनो के लोगों से अपील की कि मतदाताओं को प्रेरित करके अतिशीघ्र उनके फार्म भरने में मदद करते हुए अभियान को सफल बनाने में अपना अमूल्य सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर आश्रम के संस्थापक स्वामी निजानंद, महिपाल सिंह,दिव्यप्रकाश , सुमित कुमार , रूप चंद्र चौहान आदि मौजूद रहे।

अवैध संबंधों के चलते पति की हत्या, पत्नी और उसके प्रेमी गिरफ्तार

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में अवैध संबंधों के चलते की गई एक हत्या के मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में मृतक की पत्नी और उसका प्रेमी शामिल हैं।पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के कुशल निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में बहजोई पुलिस ने यह कार्रवाई की। थाना बहजोई पर दर्ज मुकदमा में वांछित अभियुक्ता विनोद देवी पत्नी स्वर्गीय पूरन सिंह कठेरिया और अभियुक्त श्याम सिंह पुत्र स्वर्गीय विजेंद्र पाल सिंह, दोनों निवासी ग्राम पवांसा, थाना बहजोई, जनपद सम्भल को 22 नवंबर को गिरफ्तार किया गया।पुलिस के अनुसार, अभियुक्ता विनोद देवी और श्याम सिंह के बीच अवैध संबंध थे। दोनों ने 17 नवंबर को विनोद देवी के पति पूरन सिंह (54) की गला दबाकर हत्या कर दी और बाद में फांसी लगाकर आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की। मृतक के पुत्र सुमित प्रताप सिंह उर्फ कन्हैया ने 20 नवंबर को अपनी मां व श्याम सिंह के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई थी।पुलिस टीम ने श्याम सिंह को परतापुर बाजार से तथा विनोद देवी को गंगा एक्सप्रेसवे पुल के नीचे से गिरफ्तार किया। दोनों आरोपियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय वार्षिक स्पोर्ट्स मीट एसवीयू ओयसिस-2025 में छाए एसवीयू के खिलाड़ी

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित श्री वेंक्टेश्वरा विश्वविद्यालयसंस्थान में पिछले पांच दिनों से चली आ रही वार्षिक स्पोर्टस एवं कल्चरल मीट एसवीयू ओयसिस 2025 का शानदार समापन हो गया। इस पांच दिनी खेल महाकुम्भ में विश्वविद्यालय की दस टीमों के साथ ही कई जनपदों के शिक्षण संस्थानों की 40 टीमों के 12 सौ से अधिक खिलाड़ियों ने विभिन्न स्पधाओं में दमदार प्रदर्शन करते हुए सौ से अधिक मेडल एवं ट्रॉफी व्यक्तिगत एवं टीम के नाम दर्ज करायी। समापन समारोह पर आउट ऑफ रेंज फेम मशहूर पंजाबी सिंगर हैप्पी शर्मा ने एक से बढ़कर एक पंजाबी एवं बॉलीवुड गीतों पर अपनी प्रस्तुति देकर समारोह को यादगार बना दिया। बता दें कि रविवार को श्री वेंक्टेश्वरा

विश्वविद्यालय संस्थान के मेजर ध्यानचंद ओपन खेल परिसर में खेल महाकुम्भ वार्षिक स्पोर्ट्स मीट एसवीयू ओयसिस, 2025 के समापन समारोह का शुभारंभ प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, कुलपति प्रो. कृष्ण कान्त दवे, कल्चर कमेटी की चेयरमैन डा. मधु चतुर्वेदी, कुलसचिव डा. पीयूष कुमार पाण्डेय आदि ने सरस्वती मां के चित्र पर दीप प्रज्जवलित करके किया।अपने सम्बोधन में प्रतिकुलाधिपति डॉ0 राजीव त्यागी ने कहा कि पिछले एक दशक से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खेलो इण्डिया, फिट इण्डिया, स्वच्छ भारत- स्वस्थ भारत जैसी शानदार योजनाओ से अन्तर्राष्ट्रीय खेल स्पधाओं की अंकतालिका में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। स्वस्थ भारत एवं युवा शक्ति के बल पर ही

ना सिर्फ विकसित भारत का सपना सच होगा, बल्कि जल्दी ही भारत फिर से दुनिया का सिरमौर बनेगा।टग ऑफ बार में एसवीयू-बी टीम के लवजीत सिरोही, रोबिन, प्रियांशु, सिद्धांत, कबड्डी टीम में स्कूल आफ एग्रीकल्चर साईंस-एस0वी0यू0 के सूजल, जासा, कुलजीत, बॉलीवाल टीम में एस0वी0यू0 मिक्स टीम के आदि, लवजीत सिरोही, मनु शर्मा, जतिन, बेडमिंटन डबल टीम में स्कूल आफ इंजीनियरिंग के जगवेश और आदि यादव, 100मी पुरूष दौड में स्कूल आफ फामेर्सी के गुलजार प्रथम और निखिल द्वितीय स्थान विजेता रहे।कल्चरल कार्यक्रम में रंगौली में स्वेता, अंजिल, डाक्यूमेंटरी मेकिंग में ज्योति यादव, मेहंदी में भूमिका, डिबेट कम्पटीशन में अर्पित गौतम, क्वीज कम्पटीशन में अलतमस, कासिम, पोस्टर कम्पट-ीशन, स्कैचिंग और पेंटिंग में अफशा, मतीन आदि प्रथम स्थान पर रहे। इस अवसर पर संयोजक डॉ0 नीतू पंवार, डॉ0 सुमन कुमारी डॉ0 ऐना ऐरिक ब्राउन, डॉ0 राजवर्द्धन, डॉ0 ओमप्र-काश गोसाई, डॉ0 अश्विन सक्सेना, डॉ0 एस0के0 श्रीवास्तव, डॉ0 योगेश्वर शर्मा, डॉ0 थॉमस, डॉ0 मोहित शर्मा, डॉ0 दर्पण, डॉ0 स्नेहलता, डॉ0 शिल्पा रैना, डॉ0 आसिया, डॉ0 सहर्ष, डॉ0 आकाश, डॉ0 आशुतोष, डॉ0 रीना जोशी, डॉ0 ज्योति, डॉ0 मंजरी राणा, अनुषा कर्णवाल, एस0एस0 बघेल, तरूण कम्बोज, कनिष्क त्यागी, जनसंपर्क अधिकारी डॉ0 श्रीराम गुप्ता, सचिन कुमार, मेरठ परिसर से डॉ0 प्रताप सिंह एवं मीडिया प्रभारी विश्वास राणा आदि उपस्थित रहे।

उपभोक्ता आयोग ने स्टार हेल्थ इंश्योरेंस को दिया बड़ा झटका मृतक पति के इलाज का 20 लाख रुपये सहित ब्याज देने का आदेश

बहजोई/संभल(सब का सपना):- चंदौसी निवासी नीलम वार्ष्णेय के पति सुधीर कुमार वार्ष्णेय ने अपने जीवन काल में अपने और परिवार के स्वास्थ के सुरक्षा के लिए वर्ष 2017 में स्टार हैल्थ इंश्योरेंस कम्पनी से बीमा कराया था।जिसका रिन्युवल नियमानुसार कराया जाता रहा। सुधीर वार्ष्णेय सितंबर 2024 में लीवर इन्फेक्शन से पीड़ित हो गए जिनका इलाज मुरादाबाद और दिल्ली में कराया गया और उनके इलाज पर होने वाले खर्च की धनराशि की मांग समस्त औपचा-रकताएं पूर्ण करके बीमा कंपनी से की तो बीमा कम्पनी ने पुरानी बीमारी बता कर बीमा धनराशि देने से इंकार कर दिया दौराने इलाज उनका

स्वर्गवास हो गया तब उन्होंने उपभोक्ता मामलों के विशेषज्ञ अधिवक्ता लवमोहन वार्ष्णेय से संपर्क कर समस्त घटना को बताया तब बीमा पॉलिसी में नामित नीलम वार्ष्णेय की ओर से जिला उपभोक्ता आयोग सम्भल में परिवाद दर्ज किया गया । आयोग द्वारा बीमा कंपनी को तलब किया गया जहां बीमा कंपनी ने अपने द्वारा पूर्व में कही बातों को दोहराया जिसका विरोध अधिवक्ता लवमोहन वार्ष्णेय द्वारा किया गया ओर आयोग को अवगत कराया कि बीमा पॉलिसी की शर्तों के अनुसार केश लैस सुविधा बीमा कंपनी द्वारा न देना अपनी सेवा में कमी को दिखता हैं साथ ही बीमा पॉलिसी वर्ष 2017 में क्रय की गई और नियमानुसार 3 वर्ष बाद बीमा कंपनी को पूर्व बीमारी का हवाला देकर इलाज में खर्च की गई धनराशि 2044751 रु बीमा कंपनी देने से बच नहीं सकती। आयोग ने दोनों पक्षों को सुना और अपना निर्णय देते हुए बीमा कंपनी को आदेशित किया कि परिवाद स्वीकार किया जाता हैं विपक्षी स्टार हैल्थ एण्ड एलाइड इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड को आदेशित किया जाता हैं कि वह पर-िवादनी नीलम वार्ष्णेय को उसके पति के इलाज में व्यय की गई धनराशि मुबलिग बीस लाख रुपए उस पर पर-िवाद संस्थान की तिथि से 7% वार्षिक ब्याज सहित अन्दर दो माह अदा करे । इसके अलावा विपक्षी परिवादी को मुबलिग बीस हजार रूपए आर्थिक हानि एवं मानसिक कष्ट के मद में तथा पांच हजार रुपए वाद व्यय के मद में भी अदा करेगी। नियत अवधि में धनराशि अदा न किए जाने की दशा में ब्याज 9% वार्षिक की दर से देय होगा ।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 228वें मुख्यमन्त्री आरोग्य मेले का आयोजन

संभल(सब का सपना):- जनपद में 28 प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों एवं 05 नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर 228वें मुख्यमन्त्री आरोग्य मेले का आयोजन किया गया। उक्त मेला सत्रों पर 36 चिकित्सकों एवं 126 पैरा-मेडिकल स्टाफ द्वारा कुल 2505 रोगियों (पुरुष रोगी- 968; महिला रोगी- 974 एवं 563 बच्चों) का निःशुल्क उपचार गया। समस्त मेला सत्रों पर आयुष्मान भारत जन-आरोग्य योजना के अन्तर्गत 196 लाभार्थियों के गोल्डन कार्ड तथा 179 आभा आई.डी. बनाये गये। जनपद में आयोजित समस्त मेला सत्रों पर बुखार के 202, चर्म

रोग के 307, दमा के 252, मधुमेह रोग के 67, नेत्र रोग से सम्बन्धित 16, उच्च रक्तचाप के 58 तथा अन्य रोगों के मरीज देखे गये। बुखार के सम्बन्ध में 35 मरीजों की मलेरिया की तथा 23 रोगियों की डेंगू की जाँच की गयी; जिसमें सभी संदिग्ध मरीजों की रिपोर्ट ऋणात्मक (Negative) रही। जनपद के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर परिवार नियोजन (फैमिली प्लॉनिंग) सम्बन्धी परामर्श व परिवार नियोजन सम्बन्धी सामग्री (चॉइस ऑफ बॉस्केट) के लिये अलग से एक काउन्टर बनाये गये। जिलाधिकारी के निदेर्शों के अनुपालन में जनपद की समस्त आशाओं के द्वारा सोर्स रिडक्सन एवं संचारी रोगों से बचाव के प्रति जागरुक किया गया तथा एक युद्ध नशे के विरुद्ध के अन्तर्गत 236 व्यक्तियों को तम्बाकू छोड़ो परामर्श भी दिया गया। जनपद में आयोजित समस्त मेला सत्रों का जनपद एवं ब्लाक स्तरीय अधिकारियों द्वारा आरोग्य मेला सत्रों का निरीक्षण किया गया।

मोटरसाइकिल सवार को बचाने के प्रयास में होंडा सिटी कार पलटी, सभी यात्री सुरक्षित

बहजोई/संभल(सब का सपना):- रविवार सुबह संभल जिले के बहजोई थाना क्षेत्र में इस्लामनगर चौराहे के पास एक बड़ा हादसा होने से टल गया। चंदौसी से नरौरा स्थित मंदिर जा रही एक होंडा सिटी कार (नंबर UP38 AL 2728) ने अचानक सामने आए मोटरसाइकिल सवार को बचाने के लिए अचानक ब्रेक लगाए, जिससे कार अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। कार में कुल 5 लोग सवार थे तीन पुरुष और दो महिलाएं। हादसे के बावजूद सभी यात्री पूरी तरह सुरक्षित हैं और उन्हें मामूली चोटें आई हैं। स्थानीय लोगों

ने तुरंत मौके पर पहुंचकर सभी को कार से सुरक्षित बाहर निकाला और प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल भेजा। हादसे का एक अन्य पहलू यह भी रहा कि एक ट्रक (नंबर UP14 CT 8715) अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर पर चढ़ गया था ये ट्रक कहां से आया और कहां जा रहा था इस विषय पर कोई जानकारी नहीं मिल सकी स्थानीय लोगों की काफी मशक्कत के बाद नीचे उतारा गया। इसी दौरान मोटरसाइकिल सवार को बचाने की कोशिश में कार चालक ने स्टीयरिंग घुमाया और कार पलट गई। ट्रक चालक मौके का फायदा उठाकर फरार हो गया। सूचना मिलते ही यातायात पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से पलटी कार को सीधा करवाया कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। काफी देर तक जाम की स्थिति बनी रही, जिसे पुलिस ने सुचारू कराया।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि कार चालक की सतर्कता के कारण मोटरसाइकिल सवार की जान बच गई, वरना हादसा और भी भयावह हो सकता था।

पूर्व सभासद मोहम्मद आलम कुरैशी दिन-रात भरवा रहे SIR फार्म, लोगों की कर रहे मदद

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के बहजोई कस्बे में इन दिनों एसआईआर (SIR) के फार्म भरवाने का काम जोरों पर है। मतदाता सूचियों में नाम जुड़वाने और संशोधन कराने के लिए लोग अपने रोजमर्रा के काम छोड़कर फार्म भरवाने के लिए इधर उधर भटक रहे हैं, लेकिन इस मुश्किल घड़ी में वार्ड नंबर 17 के पूर्व सभासद मोहम्मद आलम कुरैशी लोगों के बड़े काम आ रहे हैं। मोहम्मद आलम कुरैशी दिन में अपनी दुकान पर और रात में घर पहुंचकर भी लोगों के रक्क्रफार्म

भरने में जुटे हैं। वे बताते हैं, दिन में दुकान पर जो लोग आते हैं, उनके फार्म मैं वहीं भर देता हूं। रात को जब घर पहुंचता हूं तो मोहल्ले और आसपास के लोग अपने-अपने फार्म छोड़ जाते हैं। मैं रात को भी बैठकर सभी फार्म पूरा कर देता हूं। मेरा सिर्फ एक मकसद है कि किसी का भी काम अधूरा न रहे। जितनी मदद मैं लोगों की कर सकता हूं, पूरी ईमानदारी से करता हूं। लोगों का कहना है कि फार्म भरवाने में होने वाली परेशानी और समय की कमी के चलते मोहम्मद आलम कुरैशी उनके लिए किसी मददगार से कम नहीं हैं। पूर्व सभासद की इस मुहिम से इलाके में उनकी लोकप्रियता एक बार फिर बढ़ती दिख रही है। लोग उन्हें दुआएं दे रहे हैं और उनकी मेहनत की तारीफ कर रहे हैं।

यातायात पुलिस का विशेष वाहन चेकिंग अभियान, सैकड़ों वाहन चालकों को किया जागरूक, कई के काटे चालान

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद के कस्बा बहजोई में कोतवाली बहजोई पुलिस और यातायात पुलिस ने संयुक्त रूप से बड़े पैमाने पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। कस्बे के हर प्रमुख चौराहे पर तैनात पुलिसकर्मियों ने वाहनों को रोक-रोककर चालकों को यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया साथ ही उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्ती से चालान भी किए। अभियान के दौरान दुपहिया वाहन चालकों को मुख्य रूप से हेलमेट पहनने, एक बाइक पर तीन सवारी न बिठाने और शराब

पीकर वाहन न चलाने की हिदायत दी गई। वहीं चौपहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने, तय गति सीमा का पालन करने और तेज रफ्तार से वाहन न दौड़ाने के लिए प्रेरित किया गया। पुलिसकर्मियों ने वाहन चालकों को समझाते हुए कहा, जीवन अनमोल है। हेलमेट पहनें, धीरे चलें, सुरक्षित यात्रा करें। साथ ही यह भी बताया गया कि यातायात नियमों का उल्लंघन न केवल कानूनी कार्रवाई का कारण बनता है बल्कि दुर्घटना का खतरा भी बढ़ाता है। अभियान में बिना हेलमेट, ट्रिपल राइडिंग, बिना सीट बेल्ट, ओवर स्पीडिंग सहित अन्य नियमों के उल्लंघन पर दर्जनों वाहनों के चालान काटे गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस के इस कदम की सराहना की और कहा कि इससे कस्बे में यातायात अनुशासन में सुधार आएगा तथा सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगेगा। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जनपद में आए दिन हो रही सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए ऐसे जागरूकता एवं चेकिंग अभियान लगातार चलाए जाएंगे ताकि आमजन की जान-माल की रक्षा हो सके।

पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव के चित्र पर माल्या अर्पण कर उन्हें किया गया याद

संभल(सब का सपना):- सपा संस्थापक एवं पूर्व मुख्यमंत्री नेताजी मुलायम सिंह यादव की जयंती देशभर में समाजवादी पार्टी कार्यकताओं द्वारा परंपरागत श्रद्धांजलि व सादगी भाव से मनाई गई। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य फिरोज खां ने अपने कार्यालय पर नेताजी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और पार्टी को उनके सिद्धांतों के रास्ते पर चलने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम में समाज के हरेक वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने और मुलायम सिंह द्वारा किसान, मजदूर, छात्र, दलित, पिछड़े व अल्पसंख्यक समाज के लिए चलाई गई योजनाओं को याद किया

गया। सभी पार्टी कार्यकताओं ने जनता के बीच रहकर उनकी समस्याओं का समाधान करने व स-रकार बनाने का संकल्प लिया नेताजी के योगदान और समाजवादी विचारधारा मुलायम सिंह यादव को उनके संघर्ष, सादगी और समाजवादी विचारधारा के लिए हमेशा याद किया गया समाज के वंचित वर्ग के लिए उनका जीवनभर संघर्ष, किसानों, मजदूरों, युवाओं, छात्रों और अल्पसंख्यकों के लिए विभिन्न योजनाएं पार्टी कार्यकताओं ने संबोधन में दोहराईं। नेताजी की जयंती को "धरतीपुत्र दिवस" के रूप में भी मनाया गया।कार्यकताओं की सहभागिता और संकल्प फिरोज खां के अलावा कई सपा नेता और कार्यकर्ता जैसे रामरहीस यादव, मियां असलम खां, गालिब खां, फैजान शाही, नवाब साद, आदिल मोहम्मद शान, जबर सिंह यादव, गौरव यादव, रहीस प्रधान, गुलाम मुस्तुफा सहित अन्य पदाधिकारियों ने श्रद्धांजलि में भाग लिया। कार्यकताओं ने अखिलेश यादव के नेतृत्व को मजबूत करने और समाजवादी पार्टी

बाल श्रम के खिलाफ बड़ा अभियान, 10 वर्षीय बच्चे को रेस्क्यू कर मालिक के खिलाफ कार्रवाई

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देश पर जनपद संभल के बहजोई क्षेत्र में बाल श्रम के खिलाफ संयुक्त अभियान चलाया गया। इस दौरान एक 10 वर्षीय नाबालिग बच्चे को एक प्रतिष्ठान से रेस्क्यू किया गया तथा प्रतिष्ठान मालिक के विरुद्ध बाल श्रम निषेध अधिनियम के तहत विधिक कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्ष-ाक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा एवं क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना एएचटी (एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग) टीम, श्रम प्रवर्तन अधिकारी मोहम्मद आजम मय टीम तथा एनजीओ जस्ट राइट के प्रभारी गौरी शंकर मय टीम ने बहजोई कस्बे के विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की सघन चेकिंग की। चेकिंग के दौरान एक दुकान से 10 वर्षीय बच्चे को बाल श्रम में लगे पाए जाने पर उसे तत्काल

रेस्क्यू किया गया। बच्चे को मुख्य चिकित्सा अधिकारी बहजोई के समक्ष पेश किया गया, जहां जिला अस्पताल में उसका मेडिकल पर-ीक्षण कराया गया। इसके बाद बच्चे को चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष प्रस्तुत किया गया। सीडब्ल्यूसी ने आवश्यक कार्रवाई करते हुए बच्चे को उसकी मां को उचित चेतावनी देकर सुपुर्द कर दिया। अभियान के दौरान प्रतिष्ठान मालिकों व दुकानदारों को बाल श्रम निषेध कानून की कड़ाई से जानकारी दी गई तथा चेतावनी दी गई कि 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी हाल में काम पर नहीं रखा जाए, ऐसा करना दंडनीय अपराध है। साथ ही बाल श्रम या मानव तस्करी की सूचना के लिए सरकार द्वारा जारी टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबरों की भी जानकारी दी गई। अभियान में थाना एएचटी प्रभारी निरीक्षक सत्य विजय सिंह, कांस्टेबल नवीन कुमार, चालक कांस्टेबल मयंक, श्रम प्रवर्तन अधिकारी मोहम्मद आजम मय टीम तथा एनजीओ जस्ट राइट के प्रभारी गौरी शंकर मय टीम ने सक्रिय सहयोग किया। पुलिस व प्रशासन ने कहा कि बाल श्रम के खिलाफ इस तरह के अभियान लगातार चलाए जाते रहेंगे ताकि जिले को बाल श्रम मुक्त बनाया जा सके।

पुलिस परिवार परामर्श केंद्र की बैठक सम्पन्न, बारह परिवारों में हुआ सुलह समझौता

बहजोई/संभल। (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार एवं अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस परिवार परामर्श सुलह समझौता केंद्र की बैठक पुलिस लाइन मंडी समिति बहजोई में आयोजित की गई। बैठक का संचालन प्रतिसार निरीक्षक अशोक कुमार की व्यवस्था एवं परामर्श केंद्र प्रभारी डॉ. रुकम पाल सिंह की देखरेख में संपन्न हुआ।बैठक में पति-पत्नी के बीच आपसी विवादों को सुलह एवं समझौते के आधार पर निस्तारित करने का प्रयास किया गया। कुल 128 पत्रावलियाँ सुनवाई हेतु प्रस्तुत हुईं, जिनमें से 28 का निस्तारण किया गया, जबकि बारह परिवारों

में आपसी सुलह कराई गई। बारह पत्रावलियाँ आवेदक द्वारा बल न देने के कारण बंद की गईं और चार पत्रावलियों में विधिक का-र्रवाई की संस्तुति की गई।इस अवसर पर विधिक परामर्शदाता व काउंसलर लव मोहन वार्ष्णेय, एडवोकेट संगीता भार्गव, पूनम अरोरा, बबीता शर्मा, श्वेता गुप्ता, सीमा आर्य, कंचन महेश्वरी, कांस्टेबल शहजाद मलिक, ज्योति आदि उपस्थित रहे।

बाहरी दिल्ली की सड़कों पर डस्ट से नहीं मिल रही है राहत, राहगीर उड़ती धूल फांकते आ रहे नजर

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली की कई सड़कों पर उड़ती धूल प्रदूषण बढ़ाने के साथ ही राहगीरों के लिए मुसीबत का सबब बन रही है। मुख्य कंझावला रोड पर बेगमपुर लालबत्ती से कराला चौक तक सड़क पर पड़ी मिट्टी से उड़ती धूल से के बीच बाइक सवार का निकलना मुश्किल हो रहा है। डिवाडर के साथ और पेड़-पौधों पर जमी धूल की परत से साफ पता चल रहा है कि सड़क पर नियमित रूप से सफाई नहीं हो रही है। जिससे सड़क किनारे मिट्टी व रेत जमी हुई है। जो वाहनों के गुजरते ही उड़ने लगती है। ऐसे में राहगीरों के साथ-साथ सड़क किनारे दुकानदारों और ग्राहकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यह केवल एक सड़क मार्ग की स्थिति नहीं है। बल्कि रोहतक रोड पर भी कुछ ऐसे ही हालात हैं। जहां राजधानी पार्क मेट्रो स्टेशन से टीकरी बार्डर तक सड़क पर हर समय धूल उड़ती रहती है। वहीं, जहांगीरपुरी मेट्रो स्टेशन से मुकरबा चौक तक धूल-मिट्टी राहगीरों को परेशानी कर रही है। इसके साथ ही भलस्वा लैंडफिल साइट के पास नाले के किनारे सड़क पर मिट्टी का ढ़ेर लगा हुआ है। यहां से धूल न उड़े, स्माग गन से पानी का छिड़काव किया जा रहा है। धूल फांकते हुए, स्कूल तक पहुंचते हैं सैकड़ों छात्र सुल्तानपुरी टर्मिनल से रोहिणी सेक्टर-22 तक जाने वाली सड़क पर हर समय धूल उड़ती बाहरी दिल्ली की सड़कों पर उड़ती धूल से नहीं मिल रही है राहतरहती है। इस सड़क से होकर सैकड़ों की संख्या में बच्चे रोजाना तीन स्कूलों तक धूल फांकते हुए पहुंचते हैं। डीडीए की इस सड़क पर न तो पानी का ही छिड़काव होता है और नहीं साफ-सफाई ही हो रही है। जिसकी वजह से वाहन चालक व आसपास के दुकानदारों की मुसीबत लगातार बनी हुई है। सड़क की हालत जर्जर होने की वजह से ठीक से सड़क की सफाई नहीं हो पा रही है। बाहरी दिल्ली में एक्यूआइ 400 के पार दिल्ली में लगातार प्रदूषण का स्तर चिंता का विषय बना हुआ है। शनिवार को बाहरी दिल्ली के विभिन्न इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआइ) 400 के पार दर्ज किया गया। जो गंभीर श्रेणी में माना जाता है। बावजूद इसके सड़क पर नियमित सफाई न होने की वजह से धूल प्रदूषण का स्तर बढ़ने का कारण बनता हुआ नजर आ रही है। ऐसे में दिल्ली सरकार द्वारा ग्रेप-3 के नियम लागू होने के बावजूद लोगों की मुसीबत कम होने का नाम नहीं ले रही।

भारत का हर सातवां व्यक्ति मानसिक विकार का शिकार, 92 प्रतिशत लोगों को नहीं मिल पाता इलाज

नई दिल्ली। भारत का हर सातवां व्यक्ति किसी न किसी मानसिक विकार से जूझ रहा है, इसमें 70 से 92 प्रतिशत लोगों को उपचार नहीं मिल पाता। ऐसे में एआइ आधारित शुरूआती पहचान, व्यक्तिगत सहारा और व्यापक स्तर पर पहुंच एक महत्वपूर्ण समाधान बनकर उभर रहे हैं। यह जानकारी शनिवार को मानसिक स्वास्थ्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ) के उपयोग को लेकर आयोजित ग्लोबल समिट आन एआइ फार मेंटल हेल्थ में विशेषज्ञों ने दी। भारत में मानसिक स्वास्थ्य के क्षेत्र में एआइ के भविष्य, मानव केंद्रित नवाचार का आधार तैयार करने तथा राष्ट्रीय बहस को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया। सम्मेलन में भाग ले रहे नीति निमार्ताओं, तकनीक विशेषज्ञों, मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों और शोधकताओं ने एक मंच पर इसे लेकर चर्चा की। विशेषज्ञों ने एआई आधारित समाधान पर एक नीति बनाने को लेकर मंथन किया। शुभारंभ मौके पर आयोजक सचिव बलविंदर कुमार आइएएस (सेवानिवृत्त) ने कहा कि तकनीक को संवेदना से जोड़ना ही भविष्य की असली दिशा है। कहाकि कार्यक्रम का एजेंडा राष्ट्रीय डिजिटल स्वास्थ्य मिशन, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन और राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम से सीधे जुड़ता है। सम्मेलन में ह्यएथिकल गवर्नेंस इन एआइह्न पहल की घोषणा की गई, कहा गया कि इसे आइसी सेंटर फार गवर्नेंस के अंतर्गत शुरू किया जाएगा।

10 साल से दिल्ली में चरस बेच रहा था अफगानी तस्कर, 215.74 ग्राम नशे के साथ दबोचा गया आरोपी

दक्षिणी दिल्ली। लाजपत नगर में एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड की टीम ने 215.74 ग्राम चरस के साथ एक अफगानी ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से 215.74 ग्राम चरस बरामद करते हुए परिवहन में प्रयुक्त स्कूटी भी जब्त की गई। आरोपित 2015 से भारत में बिना वैध वीजा के रह रहा था। दक्षिणी पूर्वी जिला पुलिस पुलिस उपायुक्त हेमंत तिवारी ने बताया कि 21 नवंबर को एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड को सूचना मिली कि एक अफगान नागरिक लाजपत नगर-दो के आई-ब्लॉक, मुख्य बाजार रोड पर मजार रेस्टोरेंट के पास चरस बेचता है। टीम ने उक्त स्थान पर जाल बिछाया। संदिग्ध के मौके पर पहुंचते ही उसे पकड़ लिया गया। तलाशी में उसके पास 215.74 ग्राम चरस मिली। आरोपित की पहचान नजीब अहमद के रूप में हुई, जो ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित संत नगर में किराए पर रहता है। आरोपित नजीब ने बताया कि वह 2014 में भारत आया था और उसका वीजा 2015 में समाप्त हो गया था। इसके बाद वह बिना किसी वैध दस्तावेज के भारत में रुका रहा। उसने यह भी बताया कि वह दक्षिण और दक्षिण-पूर्व दिल्ली के कुछ इलाको में ड्रग्स की आपूर्ति की गतिविधियों में शामिल रहा है। इस पर 22 नवंबर को लाजपत नगर थाने में धारा 20/25/85 एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस उसके सहयोगियों और उसके पीछे काम कर रहे सिंडिकेट की पहचान करने का भी प्रयास कर रही है।

दिल्ली सचिवालय में बेहतर होगा इंटरनेट नेटवर्क, सभी डिपार्टमेंट के लिए कनेक्टिविटी होगी आसान

नई दिल्ली। दिल्ली सचिवालय बिल्डिंग में लोकल एरिया नेटवर्क (एलएएन) और वाई फाई इंफ्रास्ट्रक्चर में सुधार होगा। दिल्ली सचिवालय में मौजूदा एलएएन एक दशक से ज्यादा पुराना है, इससे कई बार नेटवर्क में समस्या होने पर काम में रुकावट आती है। काफी समय से इसे पूरी तरह बदलने की जरूरत महसूस की जा रही है। इसे नई तकनीक के हिसाब से अपडेट करने और इंटरनेट कनेक्टिविटी में सुधार की भी जरूरत महसूस की जा रही है। इसे देखते हुए दिल्ली सरकार इस पर काम शुरू करने जा रही है। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) बिल्डिंग के एलएएन और वाई फाई इंफ्रास्ट्रक्चर का सर्वे कर रहा है ताकि जरूरी और सुधार के काम का सुझाव दिया जा सके। डिजिटल प्लेटफार्म का इस्तेमाल होगा बेहतर एक अधिकारी ने कहा कि सरकार के इन्फार्मेशन एंड टेक्नोलाजी (आइटी) डिपार्टमेंट ने मौजूदा डिजिटल मांगों को पूरा करने के लिए दिल्ली सचिवालय में एलएएन और वाई फाई इंफ्रास्ट्रक्चर को पूरी तरह से माडर्न बनाने का प्रोजेक्ट शुरू किया है। यह ई-गवर्नेंस एप्लिकेशन और अंदरूनी सहयोग को सपोर्ट करने के लिए एक मजबूत, हाई-स्पीड और सुरक्षित कम्युनिकेशन नेटवर्क देगा। उन्होंने कहा कि अपग्रेड किया गया इंफ्रास्ट्रक्चर सभी डिपार्टमेंट के लिए आसान कनेक्टिविटी पक्का करेगा, जिससे क्लाउड-बेस्ड टूल्स और डिजिटल प्लेटफार्म का अच्छे से इस्तेमाल हो सकेगा। यह अपग्रेड वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी हाई-बैंडविड्थ एक्टिविटी को सपोर्ट करेगा, कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा, जिससे सीधे प्रोडक्टिविटी और इंटर-डिपार्टमेंटल कोऑर्डिनेशन बढ़ेगा। दिल्ली सचिवालय नौ मंजिला प्लेयर्स बिल्डिंग है। इसकी अलग-अलग मंजिलों पर मुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्रियों, मुख्य सचिव के साथ-साथ अलग-अलग विभागों के बड़े अधिकारियों के कार्यालय हैं। क्या होता है एलएएन ?एलएएन का मतलब है किसी बिल्डिंग में आपस में जुड़े कंप्यूटर और डिजिटल डिवाइस। एक ऐसा नेटवर्क है जो एक छोटे भौगोलिक क्षेत्र जैसे कि एक घर, कार्यालय या भवन में कंप्यूटर और अन्य उपकरणों को जोड़ता है।

अपने बच्चे को स्कूल से निकाल लो, सुसाइड से पहले 10वीं के छात्र ने एक महिला को दी थी सलाह

नई दिल्ली। दिल्ली के राजेंद्र प्लेस मेट्रो स्टेशन पर 10वीं के एक छात्र ने सुसाइड कर लिया था। एक महिला दीपशिखा उस छात्र को आखिरी बार देखा था। उसने बताया कि वह छात्र काफी परेशान लग रहा था और उसने उसे बताया कि शिक्षकों ने उसे प्रताड़ित करते हैं। दीपशिखा ने कहा कि 18 नवंबर को वह किशोर के साथ उसी रिक्शे में थी। उन्होंने कहा, "मैं अपने बच्चे को स्कूल से हर दिन रिक्शा से घर लाती हूं। लेकिन 18 नवंबर की दोपहर को, जब मैं अपने बेटे के साथ रिक्शा में बैठी ही थी, वह (पीड़ित) अचानक दौड़ता हुआ आया और जल्दी से उसमें बैठ गया। वह ड्राइवर से बार-बार तेज चलने को कह रहा था। वह बहुत परेशान लग रहा था।" महिला ने आगे कहा, "मैंने उससे पूछा कि क्या हुआ है, तो उसने कहा, "आपको अपने बेटे को स्कूल से निकाल लेना चाहिए।" उसने आगे कहा, "मेरी बोर्ड परीक्षाएं आ रही हैं और शिक्षक मुझे बहुत प्रताड़ित करते हैं। मैं बता भी नहीं सकता कि कितना। मेरे माता-पिता को बार-बार स्कूल बुलाया जाता है।" राजेंद्र प्लेस मेट्रो स्टेशन के पास कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले कक्षा 10 के एक छात्र ने एक नोट छोड़ा है जिसमें उसने अपने स्कूल के शिक्षकों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। एफआईआर के अनुसार, छात्र ने कथित तौर पर राजेंद्र प्लेस मेट्रो स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 2 से छलांग लगा दी थी। शनिवार को जहां अभिभावकों और छात्रों ने निजी स्कूल के बाहर अपना विरोध प्रदर्शन किया। वहीं दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने शुक्रवार को कहा कि राज्य सरकार ने एक जांच समिति गठित की है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए, सूद ने कहा कि स्कूलों ने भी इस मामले में कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि वह स्कूलों को पत्र लिखकर पूछेंगे कि क्या वे सीबीएसई के दिशानिर्देशों के अनुसार छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य और समग्र कल्याण की निगरानी कर रहे हैं। इस बीच, मध्य दिल्ली स्थित स्कूल ने अपने चार कर्मचारियों को निलंबित कर दिया

सम्भल संवाद ऐप का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करें:- मुख्य विकास अधिकार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन में मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा विकासखण्ड बहजोई के ग्राम राजपुर तथा विकास खण्ड पवांसा के ग्राम सिहोरी एवं किसोली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कार्यों तथा फार्मर रजिस्ट्री एवं फैमिली आईडी की प्रगति की स्थिति को जानने के लिए निरीक्षण किया। मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा की एसआईआर , , फार्मर रजिस्ट्री एवं फैमिली आईडी के कार्य में तेजी लायी जाए। मुख्य विकास अधिकारी ने सम्भल संवाद ऐप को लेकर भी संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि ऐप को ज्यादा से ज्यादा लोगों से मोबाइल में डाउनलोड कराया जाए ताकि जनपद के लोग इसके माध्यम से शासकीय अधिकृत जानकारी, विभागीय योजनाओं, विज्ञप्ति, कार्यक्रम आदि के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकें। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि सम्भल संवाद ऐप का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करें। इस अवसर पर उप कृषि निदेशक अरुण कुमार त्रिपाठी एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

अब वेटिंग रूम में नहीं, प्लेटफॉर्म पर ही खाइए ब्रांडेड खाना; रेलवे बोर्ड की केटरिंग पॉलिसी में बड़ा बदलाव

नई दिल्ली। रेलवे स्टेशनों पर पैसेंजर्स को मैकडॉनल्ड्स, केएफसी और पिज्जा हट जैसे पॉपुलर ब्रांड्स का खाना मिल सकेगा। इसके लिए रेलवे बोर्ड ने अपनी केटरिंग पॉलिसी में बदलाव किया है। पॉपुलर ब्रांड्स के आउटलेट खोलने का प्रोसेस जल्द ही शुरू होगा, जिससे रेलवे स्टेशनों पर पैसेंजर्स को खाने के ज्यादा ऑप्शन मिलेंगे। रेलवे केटरिंग पॉलिसी 2017 के मुताबिक, रेलवे स्टेशनों पर स्टॉल्स तीन कैटेगरी में बांटे गए थेः टी स्टॉल, मिल्क बार और जूस बार। इन स्टॉल्स पर ड्रिंक्स, हल्का नाश्ता और स्नैक्स मिलते थे। अब केटरिंग पॉलिसी में बदलाव करके प्रीमियम ब्रांड आउटलेट कैटेगरी को शामिल किया जा रहा है। आउटलेट्स पांच साल के लिए ई-ऑक्शन के जरिए बांटे जाएंगे। इस बदलाव से रेलवे स्टेशनों पर मैकडॉनल्ड्स, केएफसी और पिज हट जैसे पॉपुलर ब्रांड्स के आउटलेट खोले जा सकेंगे। इंडियन रेलवे केटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटी) ई-केटरिंग के जरिए ट्रेनों में पैसेंजर्स को उनकी सीट पर पॉपुलर ब्रांड्स का खाना देता है। अब यह ऑप्शन रेलवे स्टेशनों पर भी मिलेगा। अधिकारियों का कहना है कि इससे स्टेशनों पर क्वालिटी वाला खाना मिलना पक्का होगा।

मां-बाप-भाई सब ड्रग माफिया, दिल्ली क्राइम ब्रांच ने हेरोइन तस्करी का मास्टरमाइंड तुषार को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच ने ड्रग तस्कर तुषार को गिरफ्तार किया है, जिसे करीब 8 करोड़ रुपये की हेरोइन तस्करी के दो अलग-अलग मामलों में भगोड़ा घोषित किया गया था। वह दोनों मामलों में वॉन्टेड था। पुलिस पहले भी इस गिरोह के कई सदस्यों को गिरफ्तार कर चुकी है। डीसीपी क्राइम ब्रांच हर्ष इंदौरा के मुताबिक, तुषार मूल रूप से संयोग विहार, मटियाला का रहने वाला है। घर से फरार होने के बाद वह फिलहाल महावीर एन्क्लेव, पार्ट-1 में रह रहा था। क्राइम ब्रांच में दर्ज ड्रग तस्करी के एक मामले में रोहिणी में एएसजे शिवाजी आनंद की कोर्ट ने 2 जुलाई को उसे भगोड़ा घोषित किया था। उसके गैंग के एक सदस्य से 258 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी। दूसरे मामले में कड़कड़डूमा कोर्ट के एएसजे पुनीत पाहवा की कोर्ट ने भी उसे 17 अक्टूबर को भगोड़ा घोषित किया था। गैंग के एक सदस्य से 512 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी।आरोपी तुषार की पहचान दोनों मामलों में बरामद हेरोइन के सोर्स के तौर पर हुई थी, लेकिन उसे अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया था। टेक्निकल सर्विलांस के आधार पर, एसीपी राजपाल डबास और इंस्पेक्टर सतीश मलिक की टीम ने 23 नवंबर को तुषार को गिरफ्तार किया, जब उसकी लोकेशन महावीर एन्क्लेव की गली नंबर 5 में मिली। उस पर एक दर्जन से ज्यादा केस दर्ज हैं। पूछताछ में तुषार ने बताया कि वह एक ऑर्गनाइज्ड क्रिमिनल गैंग का मेंबर है जो दिल्ली-एनसीआर में हेरोइन खरीदता और बेचता है। तुषार के पिता, माता और भाई क्रिमिनल एक्टिविटीज में शामिल हैं। वे द्वारका में गैर-कानूनी नारकोटिक्स का काम करते हैं। धीरे-धीरे, वह भी ऑर्गनाइज्ड क्राइम में शामिल हो गया और हेरोइन और स्मैक सप्लाई करने लगा। अपनी क्रिमिनल एक्टिविटीज को छिपाने के लिए उसने महावीर एन्क्लेव में एक बुटीक शॉप खोली।

शाहबाद डेरी इलाके में युवक का शव मिलने से हड़कंप, संदिग्ध हालात में मिली लाश; जांच में जुटी पुलिस

बाहरी दिल्ली। शाहबाद डेरी थाना क्षेत्र में शनिवार को एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिला। स्थानीय लोगों ने मृतक को सड़क किनारे पड़ा देखा तो तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही शाहबाद डेरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। शव शाहबाद डेरी स्थित सीएनजी पंप के पास मिला। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। प्रथम दृष्टया मृतक के शरीर पर किसी प्रकार के चोट के निशान नहीं मिले हैं, जिससे आशंका जताई जा रही है कि मृत्यु किसी बीमारी, नशा करने या अन्य किसी आंतरिक कारण से हुई हो सकती है। हालांकि, पुलिस ने फिलहाल किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया है और हर पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, ताकि पता लगाया जा सके कि युवक वहां कैसे पहुंचा और उसके साथ कोई व्यक्ति था या नहीं। मृतक के पास से कोई ऐसा दस्तावेज या मोबाइल फोन नहीं मिला है, जिससे उसकी पहचान तुरंत हो सके। शव को सुरक्षित रखकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस ने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के कारणों का स्पष्ट पता चलेगा। आसपास के थानों में लापता लोगों की रिपोर्ट भी मिलान की जा रही है ताकि मृतक के परिजनों का पता लगाया जा सके। पुलिस ने स्थानीय लोगों से भी पूछताछ की है और अपील की है कि यदि किसी व्यक्ति ने युवक को घटना स्थल के आसपास देखा हो या उसके बारे में कोई जानकारी हो तो पुलिस को सूचित करें। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता से जांच जारी है और आगे की कार्रवाई रिपोर्ट आने के बाद की जाएगी।

ड्रग तस्कर मामले में दिल्ली पुलिस की बड़ी कार्रवाई, आठ करोड़ की हेरोइन के साथ आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। करीब आठ करोड़ रुपये मूल्य की हेरोइन तस्करी के दो अलग-अलग मामले में भगोड़ा घोषित ड्रग्स तस्कर तुषार को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया है। दोनों मामले में वह वांछित था। इस सिंडिकेट के कई सदस्यों को पुलिस पहले गिरफ्तार कर चुकी है। डीसीपी क्राइम ब्रांच हर्ष इंदौरा के मुताबिक तुषार मूलरूप से संयोग विहार, मटियाला का रहने वाला है। वर्तमान में वह घर से फरार रहकर महावीर एन्क्लेव, पार्ट-एक में रह रहा था। उसे रोहिणी स्थित एएसजे शिवाजी आनंद की अदालत ने दो जुलाई को क्राइम ब्रांच में दर्ज ड्रग्स तस्करी के एक मामले में भगोड़ा घोषित कर दिया था। उसके गिरोह के सदस्य के पास से 258 ग्राम हेरोइन बरामद की गई थी। दूसरे मामले में भी कड़कड़डूमा कोर्ट के एएसजे पुनीत पाहवा की कोर्ट ने 17 अक्टूबर को भगोड़ा घोषित कर दिया था। इस मामले में उसके सदस्य के पास से 512 ग्राम हेरोइन बरामद की गई थी।दोनों मामलों में बरामद हेरोइन के स्रोत के रूप में आरोपित तुषार की पहचान की गई थी लेकिन उक्त मामलों में उसे अब तक गिरफ्तार नहीं किया गया था। एसीपी राजपाल डबास व इंस्पेक्टर सतीश मलिक की टीम ने टेक्निकल सर्विलांस के आधार पर, आरोपित तुषार की लोकेशन गली नंबर पांच, महावीर एन्क्लेव में आने पर 23 नवंबर को तुषार को गिरफ्तार कर लिया। इसके खिलाफ एक दर्ज से ज्यादा मामले दर्ज हैं। पूछताछ में तुषार ने बताया कि वह एक संगठित आपराधिक गिरोह का सदस्य है जो दिल्ली-एनसीआर में हेरोइन की खरीद बिक्री करता है। तुषार के पिता, माता और भाई क्रिमिनल आपराधिक गतिविधियों में शामिल हैं। वे लोग द्वारका में गैर-कानूनी तरीके से नारकोटिक्स बेचने का काम करते हैं। धीरे-धीरे, वह भी संगठित अपराध में शामिल होकर हेरोइन व स्मैक सप्लाई करने में शामिल हो गया।

जीबी पंत अस्पताल में हृदय प्रत्यारोपण की तैयारी अंतिम चरण में, अंगदान क्षेत्र में होगी बड़ी सफलता

नई दिल्ली। गोविंद बल्लभ पंत इंस्टीट्यूट आफ पोस्टग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च (जीबी पंत अस्पताल) में हृदय प्रत्यारोपण की तैयारी ने हृदय रोगियों के उपचार को लेकर उम्मीदें बढ़ा दी, अंगदान क्षेत्र में इसे बड़ी सफलता माना जा रहा है। यह जानकारी शनिवार को अस्पताल में आयोजित दूसरे अंगदान जागरूकता सत्र में दी गई। इसमें कहा गया कि प्रमुख ट्रांसप्लांट और रिट्रीवल सेंटर के रूप में पहचान बना चुके अस्पताल में अब तक अनेक लिवर प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किए जा चुके हैं। हृदय प्रत्यारोपण शुरू होने की तैयारी अंतिम चरण में है। इसे अस्पताल और दिल्ली सरकार की स्वास्थ्य सेवाओं के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। सत्र का उद्घाटन अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर डा. एमए गीलानी ने किया। कार्यक्रम में नेशनल आर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गनाइजेशन (एनओटीटीओ) की प्रतिनिधि डा. शाइनी सुमन प्रधान, आर्गन इंडिया फाउंडेशन की सीईओ सुनैना तथा हृदय प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ता राहुल प्रजापति विशेष अतिथि रहे। ट्रांसप्लांट कोआर्डिनेटर्स ने पूरे कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और हृदय प्रत्यारोपण की दिशा में जारी तैयारियों का अपडेट साझा किया। सत्र में दो प्रमुख व्याख्यान हुए, जिनमें एनओटीटीओ की प्रतिनिधि डा. शाइनी सुमन प्रधान ने अंगदान की प्रक्रिया, कानूनी प्रावधानों और मौजूदा चुनौतियों पर विस्तार से जानकारी दी। आर्गन इंडिया की सुनैना ने वास्तविक कहानियों के माध्यम से अंगदान के जीवनरक्षक महत्व को स्पष्ट किया। हृदय प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ता राहुल प्रजापति के अनुभवों ने उपस्थित लोगों को गहराई से प्रभावित किया।

प्रतिभागियों ने इंटरएक्टिव संवादों के माध्यम से अंगदान से जुड़े मिथकों को दूर किया गया। डा. एमए गीलानी ने कहा कि अंगदान मानवता की सर्वोच्च सेवा है। इस अवसर पर अस्पताल प्रबंधन ने भविष्य में और बड़े स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम करने की घोषणा की।

संक्षिप्त समाचार

ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति की घर में ही सजा काटने की मांग

ब्रासीलिया, एजेंसी। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ने स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देते हुए जेल की सजा घर में नजरबंदी (हाउस अरेस्ट) के रूप में काटने की मांग की है। उनकी कानूनी टीम ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में इस संबंध में याचिका दायर की। बोल्सोनारो को सितंबर 2024 में 2022 के चुनाव में हार के बाद तख्तापलट की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया था और 27 साल 3 महीने की सजा सुनाई गई थी।इस महीने की शुरुआत में सुप्रीम कोर्ट ने उनकी अपील खारिज कर दी थी, लेकिन वकील एक और अपील दाखिल करने की तैयारी में हैं। फिलहाल बोल्सोनारो अगस्त से नजरबंद हैं, क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने पाया था कि उन्होंने अदालत द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों का उल्लंघन किया था। अभी तक उन्हें तख्तापलट मामले की सजा भुगतनी शुरू नहीं करने दी गई है।

बांग्लादेश में भूकंप से 10 लोगों की मौत

ढाका, एजेंसी। शुक्रवार को ढाका और देश के कुछ हिस्सों में जबरदस्त भूकंप में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक घायल हो गए। इस भूकंप से इमारतों को नुकसान पहुंचा, कई जगहों पर आग लग गई और लोगों में दहशत फैल गई। अधिकारियों ने बताया कि पीड़ितों में से चार की मौत राजधानी ढाका में, पांच की मौत नरसिंगडी में हुई, जो भूकंप का सेंटर था, और एक की मौत सबअर्बन नदी बंदरगाह शहर नारायणगंज में हुई।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक,अकेले राजधानी गाजीपुर के बाहरी इलाके में बसे इंडस्ट्रियल शहर में अलग-अलग यूनिट्स में कम से कम 100 मजदूर घायल हो गए, क्योंकि वे भूकंप के दौरान इमारतों से बाहर निकलने की कोशिश कर रहे थे।

रेडक्रॉस कमेटी में 2900 नौकरियां समाप्त होंगी

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय रेडक्रॉस कमेटी ने कहा, वह अपना 2026 का बजट 17% घटाकर 1.8 अरब स्विस फ्रैंक (करीब 2.23 अरब डॉलर) करने जा रही है। इससे करीब 2,900 नौकरियां खत्म होंगी। कमेटी ने कहा, उसे अपना बजट इसलिए घटाना पड़ रहा है क्योंकि उसे मिलने वाली वित्तीय मदद में अप्रत्याशित कमी आ रही है। कमेटी ने कहा, दानकर्ता देश अपना सारा ध्यान रक्षा खर्च बढ़ाने में लगा रहे हैं। ऐसे में मानवतावादी संस्थाओं को तमाम संघर्षों और विस्थापन से प्रभावित लोगों की मदद से पीछे हटने का फैसला लेना पड़ रहा है।

कलाकार फ्रिदा कहलो की पेंटिंग 485 करोड़ में बिकी

मेक्सिको, एजेंसी। मेक्सिको की कलाकार फ्रिदा कहलो की बनाई हुई पेंटिंग न्यूयॉर्क में करीब 485 करोड़ रुपये में बिकी है। इसके साथ यह किसी महिला कलाकार की बनाई गई अब तक की सबसे महंगी पेंटिंग बन गई है। पेंटिंग की नीलामी कराने वाली सोथबी ने बताया कि इसका नाम एल सुएनो (ला कामा) है, जिसका अर्थ होता है सपना (बिस्तर)। इस पेंटिंग ने अमेरिकी कलाकार जॉर्जिया ओ 'कीफे के बनाए पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया है।

ब्रिटेन ने वीजा धोखाधड़ी रोकने का अभियान तमिलनाडु तक बढ़ाया

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन ने वीजा फर्जीवाड़े पर रोक लगाने के लिए अपने जागरूकता अभियान को भारत के तमिलनाडु तक बढ़ाया है। पंजाब में सफल पायलट प्रोजेक्ट के बाद अब तमिलनाडु में भी विशेष जागरूकता अभियान चलेगा और तमिल भाषा में वाट्सएप, चैटबॉट के जरिये लोग नकली वीजा और धोखेबाज एजेंटों की पहचान कर सकेंगे। यह कदम अवैध प्रवासन पर लगाम लगाने और यात्रियों को सुरक्षित रखने की दिशा में भारत-ब्रिटेन सहयोग मजबूत करता है।

एफबीआई की सूचना पर वांछित रूसी हैकर बैंकॉक से गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी जांच एजेंसी एफबीआई की सूचना पर वांछित रूसी हैकर को बैंकॉक से गिरफ्तार किया है। अमेरिका और यूरोपीय एजेंसियों पर साइबर हमले के आरोपी को फुकेट द्वीप से पकड़ा। पुलिस के मुताबिक, 35 वर्षीय संदिग्ध 30 अक्तूबर को फुकेट एयरपोर्ट से थाईलैंड आया था और एक होटल में ठहरा था। थाई पुलिस के अनुसार, संदिग्ध को औपचारिक तौर पर हिरासत में लेकर प्रत्यर्पण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

दुश्मन से दोस्त बने ट्रंप और ममदानी, वाइट हाउस में मुलाकात के बाद बदले अमेरिकी राष्ट्रपति के सुर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को अपने सबसे बड़े आलोचकों में से एक जोहरान ममदानी से वाइट हाउस में मुलाकात की है। उम्मीद के उलट, दोनों की यह मुलाकात बेहद सकारात्मक रही है। हाल ही में अमेरिका के सबसे बड़े शहर न्यूयॉर्क के मेयर चुने गए जोहरान ममदानी और ट्रंप के बीच हुई पहली मुलाकात के दौरान कई मुद्दों पर सहमति बनी और जिसे लेकर ट्रंप ने भी हैरानी जताई। बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप इससे पहले ममदानी को सार्वजनिक रूप से 'वामपंथी पागल' जैसे उपनाम दे चुके हैं। वहीं ममदानी ने भी ट्रंप की नीतियों की लगातार आलोचना की है। हालांकि शुक्रवार को ट्रंप ने ओवल ऑफिस में ममदानी का गर्मजोशी से स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच हुई बैठक भी खास रही।

नए मेयर की मदद करेंगें ट्रंप : इससे पहले तक ममदानी के आने पर न्यूयॉर्क की फंडिंग रोक देने की बात कहने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह न्यूयॉर्क को मजबूत और सुरक्षित शहर बनाने में नए मेयर की मदद करेंगें। ट्रंप ने कहा, 'हम ममदानी की मदद करेंगे, ताकि हर किसी का सपना सच हो सके, एक मजबूत और सुरक्षित न्यूयॉर्क का निर्माण हो। वहीं ममदानी ने बैठक के बाद कहा, 'मैं इस बात के लिए राष्ट्रपति की सराहना करता हूंकि हमारी मीटिंग में असहमति की पर फोकस नहीं था। बल्कि इसमें न्यूयॉर्क के लोगों के लोगों के जीवन को बेहतर बनाने को लेकर चर्चा हुई।'

जब ममदानी के बचाव में उतरे ट्रंप : अमेरिकी राष्ट्रपति कई बार ममदानी को बचाने की कोशिश करते हुए भी दिखे और पत्रकारों को उनकी तरफ से जवाब दिया। जब रिपोर्टरों ने ममदानी से उनके पिछले बयानों को साफ करने के लिए कहा, जिनमें उन्होंने कहा था कि उन्हें लगता है कि ट्रंप एक फासिस्ट की तरह काम कर रहे हैं, तो ट्रंप ने कहा, 'मुझे तानाशाह से भी बुरा कहा गया है।' वहीं जब एक रिपोर्टर ने पूछा कि क्या ममदानी अपने उस कमेंट पर कायम हैं कि ट्रंप एक फासिस्ट हैं, तो मेयर-इलेक्ट के सवाल का पूरा जवाब देने से पहले ही ट्रंप ने बीच में ही बोल दिया। ट्रंप ने कहा, 'कोई बात नहीं। आप बस हां कह सकते हैं। ठीक है? मुझे कोई दिक्कत नहीं है।'

ममदानी को जिहादी नहीं मानते हैं ट्रम्प : एक पत्रकार ने ट्रम्प से पूछा कि रिपब्लिकन नेता एलिस स्टेफनिक ने ममदानी को 'जिहादी' कहा है, क्या ट्रम्प भी यही मानते हैं? इस पर ट्रम्प ने बिना हिचकिचाहट कहा- नहीं, मैं ऐसा नहीं मानता। ट्रम्प ने आगे कहा कि मुलाकात के दौरान उन्हें ममदानी एक शांत, समझदार और तार्किक इंसान लगे। उन्होंने कहा- मैं एक ऐसे इंसान से मिला हूं जो बहुत ही समझदारी से बात करता है। ट्रम्प बोले- ममदानी के बेहतर काम करने से मुझे खुशी होगी ट्रम्प ने कहा कि हम न्यूयॉर्क को फिर से शानदार बनाना चाहते हैं। ममदानी जितना बेहतर करेंगे, मैं उतना ही खुश रहूंगा। ट्रम्प ने यहां तक कहा कि ममदानी कई कंजरवेटिव लोगों को हैरान कर देंगे और उनके कुछ विचार मुझसे से मिलते-जुलते हैं। ममदानी ने भी मीटिंग को प्रोडक्टिव बताया और कहा कि हमने किराया, राशन, बिजली बिल और रहने की बढ़ती कीमतों पर बात की। हम दोनों न्यूयॉर्क के 85 लाख लोगों के लिए जीवन को सस्ता बनाना चाहते हैं। ट्रम्प बोले- हमारा मकसद न्यूयॉर्क को बेहतर शहर बनाना ममदानी से मुलाकात के बाद ट्रम्प ने कहा कि कुछ मुद्दों पर दोनों की राय अलग हो सकती है, लेकिन बातचीत से हल जरूर निकलेगा। ट्रम्प ने कहा कि या तो ममदानी उन्हें समझा लेंगे या फिर वह ममदानी को, लेकिन आखिर में फैसला वही होगा जो न्यूयॉर्क के लिए अच्छा होगा। ट्रम्प ने साफ कहा कि दोनों नेताओं का मकसद एक ही है न्यूयॉर्क को फिर से बेहतरीन शहर बनाना। उन्होंने कहा कि अगर ममदानी शानदार तरीके से काम करते हैं और शहर में सकारात्मक बदलाव लाते हैं, तो उन्हें इससे सबसे ज्यादा खुशी होगी। ट्रम्प बोले- मैं न्यूयॉर्क से प्यार करता हूं ट्रम्प ने कहा कि ममदानी से मीटिंग ने उन्हें हैरान कर दिया और दोनों के बीच कई मुद्दों पर खुलकर बातचीत हुई। उन्होंने कहा कि कुछ पॉलिसी पर हमारे विचार अलग हो सकते है, लेकिन न्यूयॉर्क को बेहतर बनाना दोनों का मकसद है। ट्रम्प ने कहा- मैं उम्मीद करता हूं कि मैं उनकी मदद करूं, न कि उनको कोई नुकसान पहुंचाऊं, क्योंकि मैं चाहता हूं कि न्यूयॉर्क शानदार बने।ममदानी कामयाब हों जब पत्रकारों ने ट्रम्प से पूछा कि क्या वे ममदानी के शासन में न्यूयॉर्क में रहना पसंद करेंगे, तो ट्रम्प ने तुरंत कहा- हां, बिल्कुल, खासकर उनसे मिलने के बाद। ट्रम्प ने बताया कि मीटिंग के बाद उन्हें लगा कि ममदानी शहर के लिए अच्छा काम कर सकते है। उन्होंने कहा कि वह चाहते है ममदानी सफल हों, क्योंकि न्यूयॉर्क की सफलता दोनों के लिए अहम है। ट्रम्प और ममदानी की मुलाकात में इमिग्रेशन सबसे बड़ा मुद्दा रहा। दोनों ने इस पर काफी देर तक बात की। ममदानी चाहते है कि न्यूयॉर्क में रह रहे सभी माइग्रेंट्स को सुरक्षा मिले।

हेनली पासपोर्ट इंडेक्स: पासपोर्ट रैंकिंग में एक बार फिर पाकिस्तान कमजोर, भारत की स्थिति में सुधार

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया-भर में पासपोर्ट की शक्ति को मापने वाली हेनली पासपोर्ट इंडेक्स की नवीनतम रिपोर्ट में पाकिस्तान का पासपोर्ट एक बार फिर सबसे कमजोर पासपोर्टों में गिना गया है। पाक के नागरिक केवल कुछ सीमित देशों में वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल सुविधा के साथ यात्रा कर सकते हैं, जबकि दूसरी ओर सिंगापुर, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे एशियाई देश सबसे शक्तिशाली पासपोर्ट रैंकिंग में टॉप-टेन में शामिल रहे। भारत की स्थिति मध्यम श्रेणी में बनी हुई है, जिसमें मामूली सुधार दर्ज किया गया है लेकिन अभी भी कई विकसित देशों में प्री-वीजा की अनिवार्यता चुनौती बनी हुई है। हेनली पासपोर्ट इंडेक्स के आंकड़े दिखाते हैं कि पाकिस्तान उन देशों में है जिनकी विश्व-स्तरीय यात्रा स्वतंत्रता क्षमता अत्यधिक सीमित है।

ये देश हैं सबसे शक्तिशाली : पासपोर्ट इंडेक्स में जिन पासपोर्टों को सबसे अधिक शक्तिशाली माना गया है, उनके नागरिक 185+ देशों तक वीजा-फ्री या वीजा-ऑन-अराइवल प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। इन देशों में सिंगापुर जापान, दक्षिण कोरिया, जर्मनी, इटली स्पेन, फिनलैंड, स्वीडन, डेनमार्क नीदरलैंड, लक्जमबर्ग और ऑस्ट्रिया शामिल हैं। विशेषज्ञों के अनुसार एशियाई देशों की आर्थिक उन्नति, रणनीतिक साझेदारियां और सुरक्षा सहयोग इनके पासपोर्ट की ताकत को लगातार बढ़ा रहे हैं।

सिर्फ 30-35 देशों में ही वीजा मुक्त यात्रा : पाकिस्तान पासपोर्ट धारक लगभग 30-35 देशों तक ही वीजा-फ्री या वीजा-ऑन- अराइवल सुविधा का लाभ ले सकते हैं।

रक्षा विशेषज्ञों और विदेश नीति विश्लेषकों के अनुसार पाकिस्तान की रैंकिंग के लगातार गिरने के पीछे मुख्य कारण हैं राजनीतिक अस्थिरता, आंतरिक सुरक्षा चुनौतियां, आतंकवाद से जुड़े जोखिम और वैश्विक कूटनीति में भरोसे की कमी। इस सूची में अफगानिस्तान सबसे आखिरी पायदान पर, सीरिया दूसरे सबसे कमजोर स्थान पर, इराक तीसरे और पाकिस्तान चौथे सबसे कमजोर पासपोर्ट की श्रेणी में दर्ज है।

रिपब्लिकन सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन का कांग्रेस से इस्तीफे का एलान, ट्रंप की नीतियों से हैं नाराज

वॉशिंगटन, एजेंसी। जॉर्जिया की रिपब्लिकन पार्टी की सांसद मार्जोरी टेलर ग्रीन ने कांग्रेस से इस्तीफे का एलान कर सभी को चौंका दिया है। मार्जोरी टेलर ग्रीन कभी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की करीबी थीं, लेकिन अब उनकी आलोचक बन गई हैं और दोनों के बीच सार्वजनिक तौर पर भी बहस हो चुकी है। ग्रीन ने ऑनलाइन पोस्ट किए गए 10 मिनट से ज्यादा के वीडियो में अपने फैसले के बारे में बताया और कहा कि उन्हें वॉशिंगटन डी.सी. में हमेशा से नफरत की नजर से देखा गया है, और वह कभी भी वहां फिट नहीं हुईं।

ट्रंप की समर्थक से बनीं आलोचक : ग्रीन ट्रंप की 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' राजनीति के सबसे मुखर समर्थकों में से एक थीं। हालांकि हाल के महीनों में ट्रंप के साथ उनके संबंध बिगड़े थे और दोनों के बीच सार्वजनिक तौर पर अनबन हुई, क्योंकि मार्जोरी टेलर ग्रीन ने जेफ्री एपस्टीन से जुड़ी फाइलों के साथ-साथ विदेश नीति और हेल्थ केयर पर ट्रंप के रुख की आलोचना की थी। इसके बाद ट्रंप ने उन्हें गद्दार और पागल कहा और कहा कि जब वह अगले साल फिर से चुनाव लड़ेंगी तो वह उनके ख़िलाफ़ एक अन्य उम्मीदवार का समर्थन करेंगे।

कई बयानों को लेकर चर्चा में रहीं : वीडियो में मार्जोरी टेलर ग्रीन कहा कि उनका कांग्रेस में आखिरी दिन 5 जनवरी, 2026 होगा। मार्जोरी के एलान पर अभी तक व्हाइट हाउस ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। ग्रीन पांच साल पहले अपना राजनीतिक करियर शुरू करने के बाद से ही ट्रंप के साथ करीब से जुड़ी हुई थीं। ग्रीन ने क्यूएनॉन थ्योरी को अपनाया और श्वेत सर्वोच्चता की समर्थक रहीं। इसे लेकर पार्टी नेताओं ने ग्रीन का विरोध भी किया लेकिन ट्रंप ने उनका स्वागत किया। ग्रीन ने 2019 में तर्क दिया कि सांसद इल्हान उमर और रशीदा तलीब, दोनों मुस्लिम महिलाएं, कांग्रेस की आधिकारिक सदस्य नहीं थीं क्योंकि उन्होंने अपने शपथ ग्रहण समारोहों में बाइबल के बजाय कुरान की शपथ ली थी।

सऊदी के पत्रकार खशोगी की पत्नी हुईं भावुक, मीडिया से कहा- अपहरण-प्रताड़ना को सही नहीं कह सकते

वॉशिंगटन, एजेंसी। सऊदी पत्रकार जमाल खशोगी की हत्या एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय चर्चा में है। वॉशिंगटन पोस्ट के स्तंभकार रहे खशोगी की पत्नी हनन एल्तार खशोगी ने भावुक होकर कहा कि किसी भी हाल में अपहरण और प्रताड़ना को सही नहीं ठहराया जा सकता। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की वह टिप्पणियां भी दोबारा चर्चा में आ गई हैं, जिनमें उन्होंने 2018 में सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का खुलकर बचाव किया था। ट्रंप ने उस समय अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की जांच को खारिज करते हुए दावा किया था कि क्राउन प्रिंस का इस्तांबुल स्थित सऊदी वाणिज्य दूतावास में हुई इस हत्या से कोई संबंध नहीं है। ट्रंप ने खशोगी को बहुत विवादित व्यक्ति बताते हुए कहा था कि उनके बारे में बहुत लोग पसंद नहीं करते और ऐसी चीजें हो जाती हैं। उन्होंने खुफिया रिपोर्टों की बजाय सऊदी नेतृत्व के बयानों पर अधिक भरोसा जताया और कहा था कि कूटनीतिक मेहमान को सार्वजनिक रूप से शर्मिंदा नहीं किया जाना चाहिए।

खशोगी की हत्या पर ट्रंप ने पहले क्या बोला? : ट्रंप ने 2018 में खशोगी की हत्या के तुरंत बाद सऊदी अरब के साथ आर्थिक संबंधों को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा था कि वह अमेरिका में आने वाले अरबों डॉलर को रोकने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने बार-बार क्राउन प्रिंस के इनकार को दोहराया और कहा कि वह कुछ नहीं जानते थे। उस समय एक्स पर में ट्रंप ने लिखा था कि उन्होंने क्राउन प्रिंस से बात की है जिन्होंने दूतावास में हुई घटना के बारे में पूरी तरह अनजान होने की बात कही। इसके बाद भी कई अवसरों पर ट्रंप ने इसी बयानबाजी को मजबूत किया।

क्राउन प्रिंस का बचाव करते रहे ट्रंप : जब अमेरिकी मीडिया ने रिपोर्ट किया कि सीआईए ने क्राउन प्रिंस की हत्या में प्रत्यक्ष भूमिका की पुष्टि की है, तब भी ट्रंप ने कहा था कि हमें बताया गया है कि उनकी कोई भूमिका नहीं थी, और फिर वही पुराना बयान दोहराया कि कौन सच जान सकता है। नवंबर 2018 में जारी एक लिखित बयान में उन्होंने इस हत्या को अस्वीकार्य और भयानक अपराध कहा, लेकिन साथ ही यह भी लिखा कि शायद उन्होंने किया हो, शायद नहीं किया हो। ट्रंप ने बार-बार यह भी कहा कि अमेरिका का संबंध व्यक्तियों से नहीं, बल्कि सऊदी अरब के साम्राज्य से है। खशोगी की हत्या ने अमेरिकी-सऊदी संबंधों, हथियार सौदों और विदेश नीति पर गहरी बहस छेड़ी थी। ट्रंप ने आर्थिक हितों और कूटनीतिक साझेदारी को प्राथमिकता देते हुए अरबों डॉलर के रक्षा सौदों को रद्द करने से इनकार किया था। इसमें कोई संदेह नहीं कि उस समय उनके बयान सऊदी नेतृत्व के लिए सबसे प्रबल सार्वजनिक समर्थन माने गए थे। आज जब खशोगी का मामला फिर चर्चा में है।

मिनेसोटा में सोमाली प्रवासियों को मिलने वाली कानूनी सुरक्षा खत्म होगी, ट्रंप का एलान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह मिनेसोटा में रहने वाले सोमाली प्रवासियों के लिए अस्थायी कानूनी सुरक्षा तुरंत खत्म कर रहे हैं। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में ये लिखा। ट्रंप अपने इसक दम से एक ऐसे प्रोग्राम को निशाना बना रहे हैं जो निर्वासन को कम करने की कोशिश कर रहा है, जिसे ट्रंप प्रशासन पहले ही उनकी निर्वासन प्रक्रिया को बार-बार कमजोर करने की कोशिश करार दे चुका है।

मिनेसोटा में रहते हैं सबसे ज्यादा सोमाली लोग : अमेरिकी राज्य मिनेसोटा में देश की सबसे बड़ी सोमाली कम्युनिटी है। कई लोग पूर्वी अफ्रीकी देश सोमालिया में लंबे गृह युद्ध से भागकर अमेरिका आए थे और राज्य के सामाजिक प्रोग्राम के जरिए इन्हें कानूनी सुरक्षा भी मिली हुई है। लेकिन ट्रंप की शुक्रवार रात को इस प्रोग्राम को तुरंत खत्म करने की घोषणा कर दी। हालांकि उनके इस एलान से बेहद कम प्रवासियों पर इसका असर पड़ेगा। अगस्त में कांग्रेस में पेश की गई एक रिपोर्ट में बताया गया कि इस प्रोग्राम के तहत कवर होने वाले सोमाली लोगों की संख्या देश भर में सिर्फ 705 है।

साल 1990 में अमेरिकी सरकार ने सोमाली लोगों को दी थी ये कानूनी सुरक्षा : कांग्रेस ने 1990 में अस्थायी सुरक्षा स्टेटस देने वाला प्रोग्राम बनाया था। इसका मकसद लोगों को उन देशों में डिपोर्ट होने से रोकना था जो प्राकृतिक आपदा, गृह युद्ध या दूसरे खतरनाक हालात से जूझ रहे हैं। इस प्रोग्राम के तहत अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी सचिव सोमाली लोगों को मिनेसोटा में रहने की कानूनी सुरक्षा दे सकते हैं और इसे 18 महीने के लिए बढ़ाया जा सकता है।

ट्रंप ने की तीखी आलोचना : इस प्रोग्राम की आलोचना करते हुए ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मिनेसोटा धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग गतिविधियों का केंद्र बन चुका है। ट्रंप ने लिखा, 'सोमाली गैंग इस महान राज्य के लोगों को डरा रहे हैं, और अरबों डॉलर गायब हैं। इसलिए उन्हें वापस वहीं भेजेंगे, जहां से वे आए थे। अब बस बहुत हुआ।' डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका की सत्ता पर काबिज होने के बाद से लाखों अप्रवासियों को अमेरिका से बाहर करने का वादा किया है। इसके तहत ट्रंप प्रशासन ने कई कानूनी सुरक्षा कार्यक्रमों को बंद कर दिया है, जिनसे अप्रवासियों को अमेरिका में रहने और काम करने की कानूनी सुरक्षा मिलती थी। इसके तहत ट्रंप ने छह लाख वेनेजुएला और पांच लाख हैती के लोगों को मिली कानूनी सुरक्षा खत्म कर दी। जिन्हें पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने यह सुरक्षा दी थी।

जी20 देश अपनी ताकत का इस्तेमाल, दुनिया की परेशानियों को कम करने में करें', यूएन महासचिव की अपील

जोहान्सबर्ग, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि जी20 देशों में दुनिया की मुश्किलों को कम करने और दुनिया को ज्यादा शांतिपूर्ण रास्ते पर लाने की क्षमता है। उन्होंने जी20 देशों के समूह से अपनी ताकत का इस्तेमाल गरीब और विकासशील देशों की परेशानियों को कम करने में इस्तेमाल करने की अपील की। गुटेरेस ने यह बात शुक्रवार को जोहान्सबर्ग पहुंचने के बाद एक मीडिया बातचीत में कही। गुटेरेस जोहान्सबर्ग में हो रहे जी20 सम्मेलन में शिरकत करेंगे।

'बढ़ता सैन्य खर्च विकास संसाधनों को खींच रहा' : गुटेरेस ने कहा, 'अगले दो दिनों में जी20 नेताओं के लिए मेरा संदेश आसान है। अब लीडरशिप और विजन का समय है। उन्होंने दुनिया भर में जारी संघर्षों, जलवायु की गड़बड़ी, आर्थिक अनिश्चितता, असमानता और वैश्विक मदद में कमी का जिक्र किया। उन्होंने आगे कहा कि बढ़ता सैन्य खर्च विकास संसाधनों को खींच रहा है। उन्होंने कहा, 'दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के नाते, ज20 देश मुश्किलों को कम करने, यह पक्का करने में बहुत बड़ा असर डाल सकते हैं कि आर्थिक विकास सबका हो। जो हमारी दुनिया को भविष्य के लिए एक बेहतर, ज़्यादा शांतिपूर्ण रास्ते पर ले जा सके।'

'अफ्रीका को हर वैश्विक मंच पर जगह मिलनी चाहिए, जहां फैसले लिए जाते हैं' गुटेरेस ने कहा कि 'अफ्रीका को हर उस फोरम में सही जगह मिलनी चाहिए जहां फैसले लिए जाते हैं, जिनमें अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के बोर्ड से लेकर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट और दूसरी वैश्विक निकायों तक भी पहुंच होनी चाहिए।' गुटेरेस ने सुझाव दिया, 'ज20 इस ऐतिहासिक अन्याय को ठीक करने और ऐसे सुधार लाने में मदद कर सकता है जो विकासशील देशों और खासकर अफ्रीका को वैश्विक नीति बनाने में आवाज़ दें, और आने वाले वर्षों में वैश्विक आर्थिक प्रशासन को ज्यादा समावेशी, समान और असरदार बनाएं।' गुटेरेस ने कहा कि वह जी20 सदस्यों से ये भी कहेंगे कि वे सूडान, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो, माली, यूक्रेन, गाजा, हैती, यमन और म्यांमार समेत दुनिया भर में मौत, तबाही और अस्थिरता पैदा करने वाले झगड़ों को खत्म करने के लिए अपने असर और आवाज का इस्तेमाल करें।

अमेरिका के नए प्रपोजल को पुतिन से मिली हरी झंडी, पर क्या यूक्रेन को मंजूर होगी ऐसी 'शांति'?

मॉस्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच बीते 3 सालों से जारी जंग को लेकर अमेरिका ने हाल ही में एक नया शांति प्रस्ताव पेश किया है। अब इस प्रस्ताव पर पहली बार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का रिएक्शन सामने आया है। जहां एक तरफ यूक्रेन की तरफ से इस प्रस्ताव को लेकर अच्छी प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, वहीं पुतिन ने इस पीस प्रपोजल को हरी झंडी दे दी है। पुतिन ने कहा है कि अमेरिका का यह प्लान यूक्रेन में शांति का आधार हो सकता है। रूसी राष्ट्रपति ने यह भी कहा कि लेकिन अगर कीव ने यह प्लान ठुकरा दिया तो रूसी सेना आगे बढ़ती रहेगी।

पुतिन ने रशियन सिक्योरिटी काउंसिल की एक मीटिंग में सीनियर अधिकारियों से कहा, 'मेरा मानना है कि इसे आखिरी शांतिपूर्ण समझौते के आधार के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है।' पुतिन ने आगे कहा कि 28-पॉइंट वाले इस प्लान पर अभी तक अमेरिका के साथ विस्तार से बातचीत नहीं हुई है, लेकिन रूस को इसकी एक कॉपी मिल गई है।

पुतिन ने कहा कि अमेरिकी सरकार अब तक यूक्रेनी पक्ष की मंजूरी लेने में नाकाम रहा है और यूक्रेन शांति के खिलाफ है। पुतिन ने आगे कहा, 'अगर यूक्रेन प्रेसिडेंट ट्रंप के प्रपोज़ल पर बात नहीं करना चाहता और ऐसा करने से मना करता है, तो उन्हें और यूरोपियन वारमोंगर्स दोनों को यह समझना चाहिए कि कुपियांस्क में जो घटनाएं हुईं, वे फ्रंट के दूसरे खास सेक्टर्स में भी जरूर दोहराई जाएंगी।'

नए शांति प्रस्ताव में क्या : बता दें कि डोनाल्ड ट्रंप की यूक्रेन युद्ध खत्म करने की कोशिश में अमेरिका ने नया शांति प्रस्ताव पेश किया है। जानकारी के मुताबिक इस प्रस्ताव को अमेरिका और रूस के बीच हुई बातचीत के आधार पर यह तैयार किया गया है और यूक्रेन को चर्चा में शामिल नहीं किया गया था। ऐसे में यह मसौदा साफ तौर पर रूस के पक्ष में दिखाई देता है।

प्रस्ताव के तहत यूक्रेन को अपनी सेना की क्षमता आधी करनी होगी और कई अहम हथियार छोड़ने होंगे। वहीं अमेरिका और अन्य देश क्रीमिया और डोनबास को रूस के हिस्से के रूप में मान्यता दे सकते हैं। वहीं रूस को यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र जापोरिज्जिया से उत्पादित आधी बिजली का उपयोग करने की भी अनुमति होगी।

यूक्रेन को मंजूर होगी ऐसी शांति : इससे पहले जेलेंस्की ने इस बारे में सोशल मीडिया पर एक संतुलित बयान दिया था। उन्होंने लिखा, 'यूक्रेन और अमेरिका की हमारी टीमें शांति योजना के प्रावधानों पर मिलकर काम करेंगी। हम ईमानदारी, तेजी से और सकारात्मक माहौल में काम करने के लिए तैयार हैं।' हालांकि, पिछला रुख देखते हुए यह माना जा रहा है कि जेलेंस्की इस प्रस्ताव को मानने से इनकार कर सकते हैं, क्योंकि वह पहले भी अपनी जमीन छोड़ने के ट्रंप के सुझावों का सख्त विरोध कर चुके हैं। यूरोपीय देशों के नेता भी इस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं। उनका मानना है कि अमेरिका की यह शांति पहल असल में रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को उनकी आक्रामकता के लिए इनाम देने जैसी है, जिससे वह कमजोर होने के बजाय और साहस पा सकते हैं।

दूसरा टेस्ट : मुथुसामी, यानसन की अच्छी बल्लेबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने बनाये 489 रन

-भारत ने बिना किसी नुकसान के 9 रन बनाये

गुवाहाटी (एजेंसी)। सेनुरन मुथुसामी के शतक और मार्को यानसन के अर्धशतक से दक्षिण अफ्रीका ने भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन अपनी पहली पारी में 489 रन बनाये। इसके बाद भारतीय टीम ने दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहली पारी में बिना किसी नुकसान के 9 रन बना लिए थे। स्टंप के समय केएल राहुल 2 और यशस्वी जायसवाल 7 रन पर खेल रहे थे।

इससे पहले कुलदीप यादव ने यानसन 93 को आउट कर दक्षिण अफ्रीका की पहली पारी का 489 के स्कोर पर अंत कर दिया। कुलदीप ने 152वें ओवर की पहली गेंद पर यानसन को आउट कर दिन का अपना यह पहला विकेट लेकर मेहमान टीम की पारी 489 रन पर समेट दी। यानसन ने 91 गेंदों में सात छक्के मारे और छह चौके लगाते हुए 93 रनों की पारी खेली। वहीं कुलदीप ने चार विकेट लिए जबकि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रवींद्र जडेजा को दो-दो विकेट मिले।

मोहम्मद सिराज ने सेनुरन मुथुसामी को आउट किया। मुथुसामी ने 206 गेंदों में 10 चौके और दो छक्के लगाते हुए 109 रनों की पारी खेली। वहीं जसप्रीत बुमराह ने साइमन हार्मर को पांच रन पर आउट कर दिया। पहले सत्र में, सेनुरन मुथुसामी और काइल वेरेन की जोड़ी ने सातवें विकेट के लिए 88 रन जोड़े। जडेजा ने काइल वेरेन को आउटकर भारत को सातवीं सफलता दिलाई। काइल वेरेन ने 122 गेंदों में पांच चौके लगाते हुए 45 रन बनाए। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये माकर यानसन ने सेनुरन मुथुसामी के साथ पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। इस दौरान सेनुरन मुथुसामी ने अपना शतक और माकर यानसन ने तेज बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए अपना अर्धशतक लगाया।

भारतीय महिला टीम ने जीता दृष्टिबाधित टी20 क्रिकेट विश्व कप

कोलंबो (एजेंसी)। भारत ने टी20 दृष्टिबाधित महिला विश्व कप फाइनल में रविवार को यहां के पी सारा ओवल मैदान में नेपाल को 7 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया। दृष्टिबाधित महिला क्रिकेट विश्व कप का यह पहला आयोजन है। भारत ने पहले गेंदबाजी करते हुए नेपाल को पांच विकेट पर 114 रनों पर रोक दिया और फिर महज 12 ओवरों में तीन विकेट पर 117 रन बनाकर खिताब अपने नाम कर लिया।

भारत का इस मैच पर दबदबा इतना था कि नेपाल की टीम अपनी पारी में केवल एक चौका ही लगा सकी। फुला सरेन नाबाद 44 रनों की पारी के साथ भारत की सर्वोच्च स्कोरर रही। भारत ने इससे पहले सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराया था, जबकि नेपाल ने शनिवार को दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान को हराया था। सह-मेजबान श्रीलंका शुरुआती चरण के पांच मैचों में सिर्फ एक मैच (अमेरिका के खिलाफ) ही जीत सका।

पाकिस्तान की बी3 (आंशिक रूप से दृष्टिबाधित) खिलाड़ी मेहरीन अली छह टीमों के टूर्नामेंट में सबसे सफल बल्लेबाज रही। उन्होंने 600 से अधिक रन बनाए, जिसमें श्रीलंका के खिलाफ 78 गेंदों में खेली गई 230 रनों की पारी भी शामिल है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी 133 रनों की पारी खेली थी।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भारतीय टीम घोषित , राहुल कप्तानी संभालेंगे

-तिलक और ऋतुराज शामिल

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए रविवार को 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस सीरीज में भारतीय टीम की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज केएल राहुल को मिली है। वहीं नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन में अकड़न के कारण शामिल नहीं किये गये हैं। श्रेयस अय्यर भी फिट नहीं होने के कारण टीम से बाहर है।

टीम में तिलक वर्मा और ऋतुराज गायकवाड़ को भी शामिल किया गया है। दक्षिया अफ्रीका-ए के खिलाफ अच्छी बल्लेबाजी के कारण ऋतुराज को टीम में जगह मिली है। वहीं तिलक को भी टी20 अंतरराष्ट्रीय में शानदार बल्लेबाजी के कारण एकदिवसीय में जगह दी गयी है। ऋतुराज ने भारत के लिए 6 और तिलक ने 4 एकदिवसीय मुकाबले खेले हैं. ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और ऋषभ पंत भी एकदिवसीय दल में शामिल हैं। 15 सदस्यीय टीम में अनुभवी विराट कोहली और रोहित शर्मा को भी रखा गया है। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज, और अक्षर पटेल को टीम में जगह नहीं मिली है।

टीम इस प्रकार है - केएल राहुल (कप्तान/विकेटकीपर), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, ऋतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह और ध्रुव जुरेल.

सीरीज का पहला मुकाबला 30 नवंबर को रांची में होना है। दूसरा 3 दिसंबर को रायपुर में और तीसरा 6 दिसंबर को विशाखापत्तनम में खेला जाएग।

इंग्लैंड टीम आक्रामक रणनीति नहीं बदलेगी : मैकुलम

पर्थ (एजेंसी)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में मिली हार के बाद भी उनकी टीम अपनी आक्रामक रणनीति नहीं बदलेगी। पहले टेस्ट में इंग्लैंड को आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद से ही कई पूर्व क्रिकेटरों ने टीम की रणनीति पर सवाल उठाये हैं। इंग्लैंड की टीम पहले मैच में केवल दो दिनों में ही हार गयी। जिससे यह 1921 के बाद एशेज का सबसे छोटा टेस्ट बन गया। दूसरे दिन की शुरुआत में इंग्लैंड टीम अच्छी स्थिति में थी पर कुछ समय में ही मैच पलट गया। दूसरे दिन की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 9 विकेट पर 123 रन था, कप्तान बेन स्टोक्स की शानदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया 132 रनों पर ही आउट हो गयी। मेहमान टीम ने 40 रन की बढ़त ली, जिससे वह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर अच्छी स्थिति में आ गयी थी। पर अपनी पहली टेस्ट जीत हासिल करने की स्थिति में आ गए।

इंग्लैंड ने अच्छी शुरुआत की जिससे उन्हें 9 विकेट शेष रहते 105 रन की बढ़त मिल गई पर बाद में उसकी बल्लेबाजी ढ़ह गयी। टीम ने 18.2 ओवर के अंदर अपने बचे हुए सभी विकेट खो दिए और अच्छी शुरुआत के बाद केवल 99 रन ही बना पायी। इससे ऑस्ट्रेलियाई टीम को केवल 205 रनों का लक्ष्य मिला। इसका पीछा करते हुए ट्रैविस हेड ने केवल 83 गेंदों पर ही 123 रन बनाए और ऑस्ट्रेलिया को जीत दिला दी। पहला टेस्ट हारने के बाद मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा कि टीम की हार से वह निराश जरुर हैं पर इंग्लैंड पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा और वह दूसरे ब्रिस्बेन टेस्ट पर ध्यान देगा। मैकुलम ने कहा, हम कुछ समय से चीजों पर बहुत ज्यादा प्रतिक्रिया देने से बचने का प्रयास कर रहे हैं। हम जानते हैं कि इससे दुख होगा और इससे केवल हमें ही नहीं, बल्कि हमारी टीम का समर्थन करने वाले सभी लोगों को परेशानी होगी। हमारे लिए, यह जरुरी है कि हम अपने आत्मविश्वास और अपने भाईचारे को बनाये रखें। हम जानते हैं कि जब हम अपना बेहतर प्रदर्शन देते हैं, तो हम एक बहुत अच्छी क्रिकेट टीम होते हैं। अब हमारे पास अगले 10 से 12 दिनों के लिए काफी समय है इससे हम यह तय सकें कि जब हम ब्रिस्बेन में जीत हासिल कर सके। मैकुलम ने कहा कि वे चार दिसंबर से गाबा में होने वाले अगले चार टेस्ट मैचों में अपनी आक्रामक रणनीति से पीछे नहीं हटेंगे।

ऋषभ को अंपायरों ने दी चेतावनी, फिर हुई गलती तो भारतीय टीम पर लगेगा जुर्माना

गुवाहटी (एजेंसी)। यहां जारी दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में अंपायरों ने दूसरी बार भारतीय टीम के कप्तान ऋषभ पंत को चेतावनी दी है। ऐसे में अब अगर ऋषभ फिर से गलती करते हैं तो भारतीय टीम पर जुर्माना लगाया जाएगा। अंपायरों ने ओवरों के बीच तय समय से ज्यादा समय लेने के लिए कप्तान को चेताया है। धीमी ओवर गति के लिए भारतीय टीम की कप्तानी कर रहे ऋषभ को ये चेतावनी दी है। ऋषभ को दूसरी चेतावनी अंपायर रिचर्ड केटलबोरो ने 88वें ओवर के शुरू होने से पहले दी। इसका कारण ये है कि जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव के ओवर के बीच कप्तान ने फील्डिंग जमाने में अधिक समय लगा दिया था। ऐसे में अगर कप्तान फिर से टाइम खराब करते हुए पाये जाते हैं तो उन पर 5 रन का जुर्माना लगाया जा सकता है। ऐसे में दक्षिण अफ्रीका के खाते में ये रन जुड़ जाएंगे। इस मैच में दक्षिण अफ्रीका के कप्तान टेंबा बावुमा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 6 विकेट के नुकसान पर 247 रन बनाये थे। उसे शीर्ष बल्लेबाजों एडन मार्करम, रायन रिकल्टन, ट्रिस्टन स्टब्स और टेंबा बावुमा सभी ने अच्छी शुरुआत की हालांकि कोई वे बड़ी पारी नहीं खेल पाये।

हॉकी इंडिया ने किया बड़ा ऐलान, पुरुष जूनियर विश्व कप के लिए मुफ्त टिकटों की घोषणा की

मदुरै। हॉकी इंडिया ने 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक यहां होने वाले पुरुष जूनियर विश्व कप के मैच देखने के लिए रविवार को मुफ्त टिकटों की घोषणा की। इस टूर्नामेंट के मैच चेन्नई में भी खेले जाएंगे। इस प्रतियोगिता में कुल 24 टीमें भाग लेंगी, जिससे यह जूनियर विश्व कप के इतिहास का सबसे बड़ा टूर्नामेंट बन जाएगा। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'मुफ्त टिकट की पेशकश करके हमारा उद्देश्य तमिलनाडु और उसके बाहर के छात्रों, युवा खिलाड़ियों, परिवारों और हॉकी प्रेमियों के लिए दरवाजे खोलना है।' विज्ञप्ति में कहा गया है कि वर्चुअल फ्री टिकट टिकटजीनी वेबसाइट या हॉकी इंडिया ऐप से बुक किए जा सकते हैं।

हेड की पारी देखकर शास्त्री को याद आया 2023 एकदिवसीय विश्वकप

पर्थ। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री ने एशेज सीरीज के पहले ही मैच में आक्रामक बल्लेबाजी कर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाने वाले बल्लेबाज ट्रैविस हेड की जमकर प्रशंसा की है। इसी के साथ ही शास्त्री ने साल कप 2023 के एकदिवसीय विश्वकप फाइनल को भी याद किया जब हेड के कारण ही भारतीय टीम के हाथ से खिताब निकल गया था। शास्त्री ने कहा कि जैसा हेड ने भारत के खिलाफ किया था वैसा ही उसने अब इंग्लैंड से किया है। हेड ने एक ऐसी पारी पर्थ में खेली, जिसे इंग्लैंड की टीम कई साल तक भूल नहीं पायेगी। दूसरे ही दिन एक ही सत्र में हेड ने शतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिला दी। शास्त्री ने सोशल मीडिया में लिखा, ' हेड दो साल पहले आपने मेरे देश को शांत करा दिया था और आज, आपने फिर से वही इंग्लैंड के खिलाफ खेल के सबसे बड़े प्रारुप में किया है। आक्राम अंदाज़ में, एक शानदार पारी खेली।' हेड को लेकर शास्त्री ने विश्व कप 2023 फाइनल में खेली गई पारी को भी याद किया , जब उन्होंने अपनी टीम को कठिन हालातों में से निकालकर जीत दिला दी थी। हेड की पारी के कारण ही लगातार 10 मैच जीतकर फाइनल में पहुंचने वाली भारतीय टीम को अपनी ही धरती पर हार का सामना करना पड़ा था।

लक्ष्य ने जापान के तनाका को हराकर ऑस्ट्रेलियन ओपन बैडमिंटन खिताब जीता

सिडनी(एजेंसी)। भारत के लक्ष्य सेन ने यहां खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट को जीत लिया है। लक्ष्य ने 475,000 लाख डॉलर की इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट के पुरुष एकल फाइनल में जापान के 26 वर्षीय युशी तनाका को फाइनल में 21-15, 21-11 से हराया। ये मुकाबला 38 मिनट ही चला। लक्ष्य ने तनाका को सीधे गेमों में हराकर पिछले कुछ समय से मिल रही असफलता को पीछे छोड़ दिया है। पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहने के बाद भी लक्ष्य पिछले कुछ समय में सफल नहीं रहे थे पर इस जीत से तय है कि उन्होंने एक बार फिर लय हासिल कर ली है।

लक्ष्य ने जापान के तनाका पर मिली जीत के बाद कानों में उंगलियां डालकर जश्न मनाया। इससें अंदाजा होता है कि ये खिताब उनके लिए कितना अहम है। इस जीत के साथ लक्ष्य ने लगभग दो साल बाद सुपर 500 स्तर पर ट्रॉफी जीती है। इससे पहले उन्होंने 2024 में लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल (सुपर 300) जीता था पर कनाडा ओपन के बाद से ही वह किसी बड़े टूर्नामेंट में शीर्ष पर नहीं पहुंच पाए थे।

इस सत्र में विश्व टूर जीतने वाले लक्ष्य सेन केवल दूसरे भारतीय खिलाड़ी बने हैं। इससे पहले आयुष शेट्टी ने अमेरिकी ओपर सुपर 300 में अपना पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय खिताब जीता था। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी इस साल कई फाइनल तक पहुंचे वहीं जबकि किदांबी श्रीकांत मलेशिया मास्टर्स में उपविजेता रहे थे। ऐसे में लक्ष्य की यह जीत भारतीय बैडमिंटन में उर्जा का संचार करेगी।

फाइनल में लक्ष्य ने आक्रामक और संयमित खेल दिखाकर अपनी बढ़त बनाये रखी। 6-3 की शुरुआती बढ़त के बाद उन्होंने जापानी विरोधी की लगातार गलतियों का लाभ उठाया। इस दौरान दर्शकों ने भी उनका उत्साह बढ़ाया। उन्होंने तनाका को रैलियों में बांधे रखा, जिससे विरोध खिलाड़ी का संभलने का अवसर ही नहीं मिला।

दूसरे गेम में लक्ष्य ने अपना स्तर और ऊपर उठाया। तेज़ रिएक्शन, धारदार ड्राइव से दबाव बनाये रखा।

वहीं जापनी खिलाड़ी गलतियों करते हुए संभल नहीं पाये।

मुशफिकुर रहीम का शतक, बांग्लादेश ने आयरलैंड को श्रृंखला में किया क्लीन स्वीप

मीरपुर (बांग्लादेश)। मुशफिकुर रहीम ने अपने 100वें टेस्ट में शतक जड़ा जिससे बांग्लादेश ने आयरलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 217 रन से जीत हासिल कर श्रृंखला में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। मुशफिकुर ने पहली पारी में 106 रन बनाने के बाद दूसरी पारी में नाबाद 53 रन की पारी खेली जिससे उन्होंने मैच में कुल 159 रन बनाए जबकि लिटन दास ने 128 रन की शतकीय पारी खेली। इससे मेजबान टीम ने पहली पारी में 476 रन बनाए। आयरलैंड के ऑफ-स्पिनर एंडी मैकब्राइन ने 109 रन पर छह विकेट झटककर बांग्लादेश को 500 रन से पहले ही रोक दिया। लेकिन ताइजुल इस्लाम ने दोनों पारियों में 76 और 94 रन देकर चार चार विकेट झटके। इससे वह 250 टेस्ट विकेट तक पहुंचने वाले पहले बांग्लादेशी गेंदबाज बन गए। आयरलैंड की टीम पहली पारी में 265 रन पर सिमट गई। लेकिन बांग्लादेश ने फॉलो-ऑन नहीं दिया। दूसरी पारी में शादमान इस्लाम (78) और महमूदुल हसन जॉय (60) ने मिलकर 119 रन की भागीदारी निभाई। इसके बाद मोमिनुल हक ने 87 रन बनाए जिससे बांग्लादेश ने चार विकेट पर 297 रन पर पारी घोषित कर दी। अब आयरलैंड को जीत के लिए 509 रन का मुश्किल लक्ष्य मिला। आयरलैंड की जोड़ी हैरी टेक्टर (50) और कर्टिस कैंपर (नाबाद 71 रन) ने डटे रहकर मैच को पांचवें दिन तक पहुंचाया। लेकिन उसकी दूसरी पारी 291 रन पर खत्म हुई। बांग्लादेश ने पहला मैच पारी और 47 रन से जीता था। दोनों टीमें अब 29 नवंबर से चटगांव में तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला खेलेंगी।

पिता को दिल का दौरा पड़ने से स्मृति मंधाना की शादी टली

इंदौर। भारतीय महिला क्रिकेर स्मृति मंधाना के पिता को दिल का दौरा पड़ने से स्मृति और उनके मंगेतर पलाश मुच्छल की शादी टल गई है। सांगली में मंधाना के फॉर्म हाउस पर शादी समारोह चल रहा था। इसी बीच ही मंधाना के पिता श्रीनिवास मंधाना को दिल का दौरा पड़ गया जिसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उनका ईलाज जारी है। वहीं मंधाना के बिजनेस मैनेजर तुहिन मिश्रा ने उनके पिता के हार्ट अटैक की पुष्टि की है। वहीं शुरुआत में कहा जा रहा था कि शादी में आए किसी मेहमान को दौरा पड़ा है पर बाद में पता चला कि मंधाना के पिता की ही तबियता खराब थी। तुहिन ने मंधाना के पिता की तबीयत को लेकर कहा, 'आज सुबह नाश्ता करते समय मंधाना के पिता की तबीयत खराब हो गई। हमने थोड़ी देर इंतजार किया, लेकिन जब लगा कि हालत बिगड़ती जा रही है तो लिए एम्बुलेंस बुलाई और उन्हें अस्पताल ले गए. अभी वह डॉक्टरों की निगरानी में हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'स्मृति अपने पिता के बहुत करीब हैं। दिल का दौरा पड़ने के बाद उन्होंने फैसला किया कि जब तक उनके पिता ठीक नहीं हो जाते तब तक यह शादी स्थगित रहेगी।'

गिल टी20आई सीरीज से हो सकते हैं बाहर, वनडे में इस खिलाड़ी को मिलेगी कप्तानी

नई दिल्ली(एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के लिए एक बड़ी चिंता उभरकर सामने आई है, क्योंकि युवा स्टार बल्लेबाज़ शुभमन गिल के दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली व्हाइट-बॉल सीरीज में खेल पाने की उम्मीद अब बेहद कम हो गई है। ईडन गार्डन्स टेस्ट के दौरान हुई गर्दन की गंभीर ऐंठन के बाद गिल को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा था, जिसके बाद उनकी चोट पहले से अधिक गंभीर पाई गई। अब खबरें साफ इशारा कर रही हैं कि गिल दिसंबर की टी20आई सीरीज में भी वापसी नहीं कर पाएंगे और नई रिपोर्ट्स के मुताबिक वे अब अगले साल ही मैदान पर लौट सकते हैं।

गिल की गर्दन की चोट उम्मीद से ज्यादा गंभीर

कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान शुभमन गिल को अचानक गर्दन में तेज़ दर्द और अकड़न महसूस हुई, जिसके चलते उन्हें तुरंत मैदान से बाहर ले जाया गया और बाद में अस्पताल में भर्ती किया गया। शुरुआती अंदाज़े में इसे मामूली ऐंठन माना जा रहा था, लेकिन स्कैन रिपोर्ट्स ने चोट को अधिक गंभीर बताया। इसी कारण गिल को टेस्ट टीम से औपचारिक रूप से रिलीज़ कर दिया गया, और अनुमान लगाया गया कि वे व्हाइट-बॉल सीरीज से पहले पूरी तरह फिट हो जाएंगे। लेकिन ताज़ा रिपोर्ट्स के अनुसार, ऐसा होना अब मुश्किल है।

दक्षिण अफ्रीका टी20आई सीरीज में नहीं खेल पाएंगे गिल

द टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, 9 दिसंबर से शुरू होने वाली टी20आई सीरीज में गिल का खेलना लगभग असंभव माना जा रहा है। गिल को लगातार इंजेक्शन लग रहे हैं, वे नियमित रूप से स्पाइनल कंसल्टेंट्स के संपर्क में हैं, चोट की गंभीरता को देखते हुए मेडिकल टीम और चयनकर्ता कोई जोखिम नहीं लेना चाहते, इसलिए, टीम मैनेजमेंट चाहता है कि गिल जल्दबाज़ी में वापसी न करें, ताकि लंबे समय तक चलने वाली चोट का खतरा न बढ़े। माना जा रहा है कि गिल अब अगले वर्ष ही मैदान पर लौटेंगे।

ODI सीरीज की कप्तानी को लेकर चयनकर्ताओं की चुनौती

गिल के बाहर होने से चयनकर्ताओं के सामने नई मुश्किल खड़ी हो गई है, साउथ अफ्रीका के खिलाफ ODI टीम का कप्तान कौन होगा? इसी बीच, श्रेयस अय्यर भी ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान लगी स्प्लीन इंजरी से अभी पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं। ऐसे में भारत को एक भरोसेमंद कप्तान की ज़रूरत है जो टीम को संभाल सके और गिल-अय्यर की गैर-मौजूदगी में स्थिरता ला सके।

केएल राहुल की कप्तान के रूप में वापसी लगभग तय

सूत्रों के अनुसार, केएल राहुल की ODI कप्तान के रूप में वापसी अब लगभग पक्की मानी जा रही है। भारत बनाम दक्षिण अफ्रीका ODI सीरीज 30 नवंबर से शुरू होगी राहुल इससे पहले भी 12 ODI में टीम इंडिया की कप्तानी कर चुके हैं। उनका पहला कप्तानी असाइनमेंट जनवरी 2022 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ

ही था। दिलचस्प बात यह है कि राहुल की पिछली ODI कप्तानी भी साउथ अफ्रीका के खिलाफ थी, और अब दो साल बाद वे फिर उसी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ ही कप्तान की भूमिका में उतरने की तैयारी कर रहे हैं।

टीम इंडिया के लिए आगे की राह

गिल की चोट और प्रयोगात्मक कप्तानी से टीम की बल्लेबाज़ी बैलेंस पर असर पड़ सकता है। हालांकि, टीम मैनेजमेंट उम्मीद कर रहा है कि दिसंबर सीरीज तक नए चेहरे, अनुभवी खिलाड़ियों के साथ मिलकर संतुलित प्रदर्शन करें। टीम को अब गिल की फिटनेस से ज्यादा उनके दीर्घकालिक करियर को सुरक्षित रखना है, इसलिए यह ब्रेक भविष्य के लिए आवश्यक माना जा रहा है।

नम्बर 8 पर आए ईनान की शतकीय पारी, भारत ए अंडर-19 त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल के करीब

बेंगलुरु। आठवें क्रम पर बल्लेबाजी के लिए आए हरफनमौला मोहम्मद ईनान की नाबाद शतकीय पारी के दम पर भारत ए अंडर-19 ने रविवार को यहां भारत बी अंडर-19 को 26 रन से हराकर तीन देशों की श्रृंखला के फाइनल में अपनी जगह लगभग पक्की कर ली। लेग स्पिन गेंदबाजी करने वाले केरल के इस युवा खिलाड़ी ने 74 गेंदों में 12 चौकों और छह छक्कों की मदद से नाबाद 105 रनों की पारी खेली। उनकी इस पारी से भारत ए अंडर-19 ने 18 ओवर में 68 रन पर पांच विकेट गंवाने के बावजूद के सात विकेट पर 267 रन का प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया। ईनान ने छठे विकेट के लिए खिलान पटेल (37) के साथ 34 रन की साझेदारी करने के बाद अनमोलजीत सिंह (नाबाद 30) के साथ सातवें विकेट के लिए 135 रन की अटूट साझेदारी की। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत बी अंड-19 की टीम 47.2 ओवर में 243 रन पर आउट हो गयी। आदित्य रावत (34 रन पर चार विकेट) और मोहम्मद मलिक (49 रन पर चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के सामने भारत बी की टीम लगातार अंतराल पर विकेट गंवाते रही। भारत बी के लिए विकेटकीपर हरवंश पंगालिया ने 113 गेंद में 99 रन की पारी खेली। उन्होंने जगनाथन हेमचूड्शन (45) के साथ छठे विकेट के लिए 115 रन की साझेदारी की लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। टीम के लिए सलामी बल्लेबाज अमव बग्गा ने भी 49 रन का योगदान दिया। टूर्नामेंट में लगातार तीसरी हार के साथ भारत बी की टीम फाइनल में पहंचने की दौड से लगभग बाहर हो गयी है।

मस्ती 4 में साथ में काम करना सपने के सच होने जैसा

फिल्मी दुनिया में जब कोई नया कलाकार किसी बड़ी फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनता है, तो उसके लिए यह सिर्फ एक प्रोजेक्ट नहीं होता, बल्कि एक बड़ा मौका होता है, अपने हुनर को दिखाने का, लोगों तक अपनी पहचान पहुंचाने का और उन सितारों के साथ काम करने का, जिन्हें वे सालों से पर्दे पर देखते आए हैं। कुछ ऐसा ही अनुभव एक्ट्रेस रुही सिंह का भी रहा, जिन्होंने आने वाली फिल्म मस्ती 4 में कई मशहूर अभिनेताओं के साथ काम किया है। यह फिल्म पहले से चर्चित मस्ती फ्रेंचाइजी का हिस्सा है, जिसकी वजह से लोगों में पहले ही काफी उत्साह है। रुही के लिए यह फिल्म सिर्फ एक कॉमेडी नहीं, बल्कि कुछ नया सीखने का मौका भी है। इंटरव्यू में रुही सिंह ने बताया कि मस्ती 4 की शूटिंग उनके लिए एक खास सफर था। फिल्म में उनके साथ बॉलीवुड के जाने-माने नाम आफताब शिवदासानी, रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और अरशद वारसी जुड़े हुए हैं। उनके साथ स्क्रीन शेयर करना शानदार अनुभव रहा।

रुही सिंह ने कहा, हर अभिनेता अपनी एक अलग ऊर्जा लाता है, और यह फिल्म मेरे लिए सीखने का एक बेहतरीन मौका बनी। इस फ्रेंचाइजी की लोकप्रियता और कलाकारों की टीम ने मुझे अधिक मेहनत करने की प्रेरणा दी। फिल्म में रुही की जोड़ी अभिनेता आफताब शिवदासानी के साथ है।

आफताब के साथ काम करने को लेकर उन्होंने कहा, वह बहुत ही विनम्र और सादगी भरे इंसान हैं। मेरे परिवार के सभी सदस्य और दोस्त आफताब को पहले से पसंद करते आए हैं, इसलिए उनके साथ काम करने का मौका मिलना किसी सपने के सच होने जैसा है।

इसके बाद उन्होंने बाकी कलाकारों की भी जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, रितेश देशमुख कमाल के अभिनेता हैं, जिनकी कॉमिक टाइमिंग और नेचुरल एक्टिंग सभी को प्रभावित करती है। विवेक ओबेरॉय के बारे में उन्होंने कहा कि स्क्रीन पर उनकी मौजूदगी यादगार होती है और वे हर किरदार में गहराई जोड़ते हैं। इंटरव्यू के दौरान जब आईएएनएस ने उनसे पूछा कि इतने बड़े स्टारकास्ट वाली फिल्म में क्या उन्होंने अपने रोल को लेकर कभी चिंता की, इस पर रुही ने जवाब देते हुए कहा, मेरे लिए भूमिका छोटी या बड़ी होने का कोई मतलब नहीं है। अगर किरदार को ईमानदारी से निभाया जाए तो वह अपने आप दर्शकों पर प्रभाव छोड़ता है। मैं इस फिल्म का हिस्सा इसलिए बनना चाहती थी क्योंकि यह एक बड़े स्तर की फिल्म है, जिसे देखने लाखों लोग आएंगे, और मैं चाहती थी कि उन दर्शकों के बीच मेरा चेहरा और नाम पहचाना जाए। उन्होंने बताया कि अपने रोल को लेकर वे पूरी तरह खुश हैं और उन्होंने उस पर बहुत मेहनत भी की है। मस्ती 4 में रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय, आफताब शिवदासानी, तुषार कपूर, एलनाज नौरोजी, शाद रंधावा और अन्य कलाकार शामिल हैं। फिल्म का निर्देशन मिलाप जावेरी ने किया है।

दीपिका को अपने फैसलों पर है पछतावा!

दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की सबसे कामयाब अभिनेत्रियों में शामिल हैं। अपने 18 साल के करियर में दीपिका पादुकोण ने अब तक कई कामयाब फिल्मों में काम किया है। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिल्म ओम शांति ओम से की और वह पैन इंडिया ब्लॉकबस्टर फिल्म कल्कि 2898 ए.डी. में नजर आईं। हालांकि, उनकी कुछ फिल्में ऐसी भी रहीं, जो बॉक्स ऑफिस पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सकीं। हाल ही में दीपिका ने एक इंटरव्यू में माना कि कई बार उन्होंने गलत फैसले भी लिए हैं, जिसका उन्हें पछतावा है। बातचीत में दीपिका ने बताया कि वह फिल्म चुनते वक्त किन बातों का ध्यान देती हैं। दीपिका ने बताया सबसे बड़ी चीज प्रमाणिकता है। जो भी चीज सच्ची नहीं लगती, वह मुझे रास नहीं आती। कभी-कभी लोग बहुत सारा पैसा देते हैं और सोचते हैं कि इससे सब कुछ हो जाएगा लेकिन वह काफी नहीं होता। मुझे लोगों या संदेश पर यकीन है और मैं उस पर कायम रहूंगी। दीपिका ने माना कि वह अपने विचार को लेकर इतनी स्पष्ट नहीं थीं। उन्होंने कहा क्या मैं हमेशा से चीजों को लेकर इतनी स्पष्ट थी? शायद नहीं। हालांकि अब मैं उस स्पष्टता तक पहुंच गई हूं। क्या मैं कभी-कभी पीछे मुड़कर सोचती हूं कि मैं क्या सोच रही थी? जी हां मैं सोचती हूं। इससे मैं सीखती हूं। शायद आज से 10 साल बाद, मैं आज के कुछ फैसलों पर सवाल उठाऊंगी जो फैसले अभी मुझे सही लगते हैं। दीपिका की फिलहाल दो फिल्में पाइपलाइन में हैं। सिद्धार्थ आनंद द्वारा निर्देशित शाहरुख खान की अपकमिंग फिल्म किंग में वह एक सहायक भूमिका में हैं। इसमें सुहाना खान, अभिषेक बच्चन और रानी मुखर्जी जैसे कलाकार होंगे।

आगामी शो 'मिसेज देशपांडे' में दिलचस्प किरदार में नजर आएंगी माधुरी दीक्षित

माधुरी दीक्षित इन दिनों अपने आगामी शो 'मिसेज देशपांडे' को लेकर चर्चाओं में हैं। माधुरी इस शो में एक अलग और दिलचस्प किरदार में नजर आएंगी। शो से माधुरी का फर्स्ट लुक सामने आया है। इसके सामने आने के बाद फैंस इस शो के लिए और भी उत्साहित हो गए हैं।

जारी हुए इस फर्स्ट लुक में माधुरी अपना मेकअप और गहने उतारती हुई दिखाई दे रही हैं। अगले ही फ्रेम में उनका एक कच्चा, अनफिल्टर्ड रूप सामने आ रहा है। अगले शॉट से संकेत मिलता है कि कुछ गंभीर हुआ है क्योंकि वह सलाखों के पीछे दिखाई दे रही हैं। हालांकि, अब तक मेकर्स ने शो के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया है। लेकिन पहला लुक माधुरी के प्रशंसकों को उत्साहित करने के लिए काफी है। इस फर्स्ट लुक को शेयर करते हुए हॉटस्टार ने कैप्शन में लिखा, 'एक ऐसा मोड़ जिसकी आपने कल्पना भी नहीं की होगी।'

अपने पहले लुक में ही माधुरी के अलग-अलग एक्सप्रेशन देखने को मिल रहे हैं। पहली झलक को देखकर ऐसी उम्मीद की जा रही है कि माधुरी इंटेंस किरदार में नजर आएंगी। बात करें शो की तो नागेश कुकुनूर द्वारा निर्देशित इस शो को अप्लॉज एंटरटेनमेंट ने कुकुनूर मूवीज के सहयोग से निर्मित किया है। हालांकि, अभी तक शो की रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

माधुरी दीक्षित हाल ही में कनाडा, टोरंटो, न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी, ह्यूस्टन, शिकागो और बोस्टन सहित 6 शहरों में फैले एक वर्ल्ड टूर पर थीं। यहां कई जगह लेट होने की वजह से उन्हें ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा था।

अली अब्बास जफर की फिल्म में ऐश्वर्य ठाकरे बनेंगे विलेन

फिल्म इंडस्ट्री में नए चेहरों का आना हमेशा से दर्शकों का उत्साह बढ़ाता है, खासकर तब जब उन्हें बड़े स्तर की फिल्मों में मौका मिल रहा हो। इस कड़ी में इन दिनों फिल्म निर्देशक अली अब्बास जफर की आगामी एक्शन-रोमांस ड्रामा फिल्म की चर्चा खूब हो रही है, क्योंकि इसमें शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के पोते ऐश्वर्य ठाकरे विलेन के तौर पर नजर आने वाले हैं। यह खबर सामने आते ही फिल्म को लेकर दर्शकों में दिलचस्पी और भी बढ़ गई है। इस फिल्म में सैयारा फेम अहान पांडे और मुंज्या फेम शरवरी वाघ हैं। इस फिल्म के बारे में आईएएनएस के एक करीबी सूत्र ने बताया, अली अब्बास जफर बड़े स्तर के एक्शन और भावनाओं से भरी कहानियां बनाने के लिए जाने जाते हैं। उनकी फिल्मों सुल्तान और टाइगर जिंदा है ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रचा था। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि इस फिल्म में भी वह उसी दमदार निर्देशन का प्रदर्शन करेंगे।

अहान की गर्लफ्रेंड नहीं हैं अनीत

अहान पांडे और अनीत पड्डा को लेकर बातें चल रही हैं कि दोनों का रिश्ता रोमांटिक है और वे रिलेशनशिप में हैं लेकिन अहान पांडे ने अब इस बात को लेकर चुप्पी तोड़ी है और कहा कि अनीत उनकी गर्लफ्रेंड नहीं हैं। अहान ने सारी बातों से पर्दा हटा दिया है। अहान पांडे और अनीत पड्डा ने भले ही इसी साल बॉलीवुड में कदम रखा हो, लेकिन उनकी जोड़ी को लेकर जो चर्चा है, वह पुराने स्टार्स जैसी ही है। उनकी पहली फिल्म सैयारा ने तुरंत ही लोगों के दिलों में खास जगह बना लिया। उनके फैन एडिट रातोंरात वायरल हो गए, गपशप के पन्नों ने उन्हें इंडस्ट्री का अगला इट कपल घोषित कर दिया और सोशल मीडिया ने मानो उनके बीच रोमांस को जन्म दे दिया हो। इन अटकलों को और हवा तब मिली जब करण जौहर ने हिंट दिया कि ये दोनों नए कपल बन सकते हैं। लेकिन अहान पांडे ने अब सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया है। हाल ही में त्र एक इंटरव्यू में, अहान पांडे ने रिश्ते पर सीधे तौर पर बात की। उन्होंने क्लियर किया कि उनके और अनीत के बीच का रिश्ता गहरा तो है, लेकिन यह रोमांटिक नहीं है। उन्होंने कई महीनों से चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए कहा, अनीत मेरी सबसे अच्छी दोस्त है। पूरा इंटरनेट सोचता है कि हम साथ हैं, लेकिन हम साथ नहीं हैं।

अहान और अनीत की केमेस्ट्री

उन्होंने बताया कि पर्दे पर उनके बीच जो सहजता है, वह रोमांस से नहीं, बल्कि इमोशनल सिक्योरिटी और आपसी समझ से आती है। उन्होंने कहा, केमिस्ट्री हमेशा रोमांटिक नहीं होती – यह सहजता, सुरक्षा और लोगों की नजरों में आने के बारे में है। हम दोनों ने एक-दूसरे को यह एहसास दिलाया है। भले ही वह मेरी गर्लफ्रेंड नहीं है, फिर भी अनीत के साथ मेरा रिश्ता जैसा है वो किसी के साथ नहीं होगा।

फिल्म एक टीम वर्क होता है और मैं इसका एक छोटा-सा हिस्सा हूं

दारा सिंह और मुमताज जैसे जाने-माने कलाकारों से ताल्लुक रखने वाले अभिनेता शाद रंधावा ने अपना रास्ता खुद अख्तियार किया। वो लम्हे से अपने करियर का आगाज करने वाले शाद के दो दशक के करियर में कई उतार-चढ़ाव देखे, मगर इस साल उनके किस्मत का सितारा खूब चमका। सैयारा जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्म के बाद इन दिनों दीवानियत जैसी 100 करोड़ के क्लब में एंट्री ले चुकी फिल्मों में सावंत के रोल से लोकप्रिय हुए शाद अपने सफर की बात करते हैं।

शाद रंधावा फिल्मी परिवार से ताल्लुक रखते हैं। वे अपनी पृष्ठभूमि के बारे में बताते हैं, मैं 6-7 साल की उम्र का रहा होऊंगा और अभिनय में तभी से मेरी काफी रुचि थी। स्कूल के नाटकों में भाग लेता था। मेरी मम्मी भी एक जमाने में ऐक्ट्रेस थीं और पिता पहलवानी के साथ-साथ अभिनय भी किया करते थे। दारा सिंह मेरे अंकल और मुमताज मेरी मौसी हैं। जब मैंने अपने परिवार को अपने एक्टर बनने की ख्वाहिश बताई, तो सभी ने कहा कि ये आपकी अपनी जर्नी है। हम आपको भावनात्मक रूप से तो सपोर्ट करेंगे, मगर अपना काम आपको खुद ढूंढना होगा।

भट्ट साहब के ऑफिस के खूब चक्कर लगाता था

मेरे ताया (दारा सिंह) हों या मेरे पिता रंधावा, सभी बहुत विनम्र बैकग्राउंड से हैं अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वे कहते हैं, चाहे वो मेरी मम्मी (मल्लिका अस्करी) हों या मुमताज आंटी, सभी ने अपना रास्ता खुद बनाया, तो मैंने अभिनय में आने से पहले रोशन तनेजा के यहां एक्टिंग क्लासेज कीं। साथ-साथ में मैं नाटक तो करता ही रहता था। ये उन दिनों की बात है, जब मैं रोल पाने के लिए फिल्मी ऑफिसों के चक्कर लगाया करता था। एक जगह मुझे उम्मीद दिखी और वो थी भट्ट साहब (महेश भट्ट) का ऑफिस। लंबे स्ट्रगल के बाद एक दिन भट्ट साहब ने मुझे मोहित से मिलवाया। तब तक मोहित की जहर आ चुकी थी और कलयुग की शूटिंग कर रहे थे। उसी वक्त उन्होंने कहा कि वे मुझे अपनी अगली फिल्म में लेंगे। मगर उन्होंने ये भी कहा कि शाद नेगेटिव रोल है। उस वक्त तो मैं सिर्फ काम करना चाहता था, तो बस इस तरह वो लम्हे से मेरी जर्नी शुरू हुई। मेरे काम को सराहा गया और मुझे अपने रोल के लिए अवॉर्ड भी मिला।

रेस्टॉरेंट्स और डायमंड्स में किस्मत आजमाई

अच्छी शुरुआत के बावजूद शाद के करियर में शायद ने भी काफी उतार-चढ़ाव देखे। वे कहते हैं, कई बार रिजेक्ट भी हुआ, मगर परिवार और दोस्तों का सपोर्ट हमेशा रहा। अपने मुश्किल दौर का जीकर करते हुए वे कहते हैं, आशिकी 2 के बाद मैं लगातार काम पाने की कोशिश कर रहा था, मगर काम मिल नहीं रहा था, तब मैंने डायमंड्स के क्षेत्र में हाथ आजमाया। फिर मैंने रेस्टॉरेंट्स में भी किस्मत आजमाई। बाहर से भले लगे कि ये काफी चकाचौंध वाली लाइन है, मगर मेरे लिए ऐसा नहीं था।

इन दो निर्देशकों ने हमेशा काम दिया

शाद रंधावा की एक के बाद एक करके दोनों फिल्में, पहले सैयारा और अब हालिया दीवानियत ने बॉक्स ऑफिस पर हंगामा मचाया हुआ है। वे कहते हैं, मेरा मानना है कि फिल्म एक टीम वर्क होता है और मैं तो इसका एक छोटा-सा हिस्सा हूं। लेकिन मुझे बहुत अच्छा लगता है कि इन दोनों निर्देशकों ने मुझ पर हमेशा यकीन रखा। इन दोनों निर्देशकों ने मुझे हमेशा काम दिया। दीवानियत से पहले मैं मिलाप के साथ मरजांवा और सत्यमेव जयते 2 में काम कर चुका हूं। जहां तक मोहित की बात है, तो उसके साथ मैंने अपने करियर की शुरुआत वो लम्हे से की थी और उसके बाद मैं आवारापन, आशिकी 2, एक विलेन, मलंग, एक विलेन रिटर्न्स जैसी तमाम फिल्मों का हिस्सा रहा।

हर्षवर्धन राणे ने अपने हिस्से के डायलॉग मुझे दिए

हाल ही में दीवानियत में सावंत के रोल से फेमस हुए शाद फिल्म के नायक हर्षवर्धन राणे के साथ अपने अनुभव को बयान करते हुए कहते हैं, हर्ष के साथ काम करते हुए मैंने पाया कि उनमें काम करने की भूख और नियत दोनों ही जबरदस्त है। पूरी टीम ही इस जज्बे से जुड़ी रही। हर्ष पर मैं शूटिंग से पहले एक ही बार मिला था और जिस दिन मैं सेट पर मिला तो उन्होंने मुझसे साफ़ तौर पर कहा कि स्क्रिप्ट में सावंत के किरदार में उतना रस नहीं है, मगर भाई हम लोग इस किरदार और मेरे चरित्र विक्रम आदित्य की एक अलग ही केमेस्ट्री बनाएंगे। उन्होंने वो फिल्म में किया।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा ... एफ 23, सेक्टर 8, गौतम बुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व ग्राम ..., पोस्ट ..., तहसील ..., जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/89483, मो0 9456883 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।